मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 301, मुंबई, मंगलवार, 18 फरवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

NIRBHAYA CASE

चारों गुनहगारों का...

तीसरा डेथ वॉरंट जारी

निर्भया की मां ने कहा– देर है, अंधेर नहीं, हमें इस बात की पूरी उम्मीद है कि 3 मार्च को दोषियों को फांसी दे दी जाएगी

संवाददाता

नई दिल्ली। निर्भया केस में पटियाला हाउस कोर्ट ने सोमवार को चारों दोषियों का तीसरा डेथ वॉरंट जारी किया। एडिशनल सेशन जज ने 3 मार्च को सुबह 6 बजे फांसी देने का आदेश दिया है। निर्भया की मां आशा देवी ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद कि 3 मार्च को दोषियों को फांसी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि न्याय में देर होती है, अंधेर नहीं होता।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

निर्भया के दोषी विनय शर्मा ने तिहाड़ में भूख हड़ताल शुरू की

3 मार्च को सुबह 6 बजे फांसी दी जाएगी

पहला डेथ वॉरंट	22 जनवरी को सुबह 7 बजे फांसी का आदेश	मुकेश की याचिका लंबित रहने से फांसी नहीं हुई
दूसरा डेथ वॉरंट	1 फरवरी को सुबह 6 बजे फांसी का आदेश	31 जनवरी को ट्रायल कोर्ट ने फांसी पर रोक लगाई
तीसरा डेथ वॉरंट	3 मार्च को सुबह 6 बजे फांसी का आदेश	दोषियों के वकील बोले- अभी कानूनी विकल्प बाकी

अब दोषी पवन क्यूरेटिव पिटीशन दाखिल करेगा

निर्भया के माता-पिता ने दाखिल की थी अर्जी

पीड़ित के माता-पिता और दिल्ली सरकार ने नया डेथ वारंट जारी करने के लिए अर्जी दाखिल की थी। 15 फरवरी को दोषियों को अलग-अलग फांसी देने संबंधी केंद्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केंद्र की याचिका लंबित रहने का ट्रायल कोर्ट द्वारा फांसी के लिए नया डेथ वॉरंट जारी करने पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अदालत में रो पड़ी थीं निर्भया की मां

दिलशाद खान को मिला 'बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड' 2020

मुंबई में 'बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड –2020' फंक्शन का आयोजन किया गया। फाउंडर तथा डायरेक्टर कृष्णा चौहान के इस शानदार व यादगार इवेंट की शुरूवात योगेश लखानी ने दीप प्रज्वलित करके की तथा समारोह के मुख्य अतिथि थे प्रसिद्ध म्युजिक डायरेक्टर दिलीप सेन। इस एवार्ड फंक्शन के दौरान उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिये सीनियर जर्नलिस्ट दिलशाद खान को बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड प्रदान किया गया। उनके अलावा एक्टर–कॉमेडियन सुनील पाल, दीपा नारायण झा, म्युजिक कम्पोजर–सिंगर संतोख सिंग, गीतकार सुधाकर शर्मा, एक्शन डायरेक्टर आर पी यादव, शिरीन फरीद, शोएब अहमद, सुष्मिता बिस्वास, पत्रकार राजाराम सिंह, संतोष साहू, तथा बेस्ट पी आर ओ के लिए अब्दुल कादिर, फरहा अंजर खान व चाहत खन्ना को बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड देकर सम्मानित किया गया। डायरेक्टर तथा इस एवार्ड के फाउंडर कृष्णा चौहान ने बताया कि ये उनका दूसरा एवार्ड फंक्शन है। इससे पूर्व वे बॉलीवुड लिजेंड एवार्ड का आयोजन कर चुके हैं।

मसूद अजहर आर्मी की कस्टडी से गायब

इसी हफ्ते एफएटीएफ टेरर फंडिंग के खिलाफ उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करेगी

लंदन। टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग पर नजर रखने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक से पहले ही प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का सरगना मसूद अजहर पाकिस्तान आर्मी की कैद से गायब हो गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

काम पूरा, आज से फिर खुलेगा सायन फ्लाइओवर

मुंबई। तीन दिन बंद रहने के बाद सोमवार से सायन फ्लाइओवर दोबारा ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। बेयरिंग बदलने के काम की वजह से 14 से 17 फरवरी सुबह 5 बजे तक फ्लाइओवर को बंद किया गया । इस दौरान ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर ट्रैफिक जाम से लोगों को काफी परेशानी हुई।
तीन दिनों में फ्लाइओवर के करीब 30 बेयरिंग को बदलने का काम पूरा कर लिया गया है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के चीफ इंजिनियर शशिकांत सोनटके के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से फ्लाइओवर के 170 बेयरिंग बदलने का काम किया जा रहा है। इसके लिए यातायात विभाग से 8 ट्रैफिक ब्लॉक की मंजूरी मिली है। पहले ब्लॉक में रविवार दोपहर तक तय लक्ष्य के अनुसार, बेयरिंग बदले जा चुके थे। दूसरे चरण की शुरूआत 20 फरवरी से होगी, जो 24 फरवरी सुबह 6 बजे तक चलेगा। शशिकांत के अनुसार, प्रत्येक ब्लॉक में 30 से 32 बेयरिंग बदलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 29 पिलर पर खड़े सायन फ्लाइओवर के निर्माण में 170 बेयरिंग का इस्तेमाल हुआ है। मरम्मत के दौरान 106 जैक की सहायता से 170 बेयरिंग बदलने का काम किया जाएगा। इनमें से पहले चरण में करीब 30 बेयरिंग बदले जा चुके हैं।
1999 में एमएसआरडीसी ने फ्लाइओवर का निर्माण किया था। वर्ष 2017 में आईआईटी बॉम्बे ने फ्लाइओवर का स्ट्रक्चरल ऑडिट किया था। आईआईटी ने अपनी रिपोर्ट में फ्लाइओवर के बेयरिंग बदलने की सिफारिश की थी। आईआईटी बॉम्बे के सुझाव के बाद से फ्लाइओवर पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। सायन फ्लाइओवर दक्षिण मुंबई का महत्वपूर्ण पुल है, जो मुंबई को ठाणे, वाशी और उपनगर को जोड़ने का काम करता है। इस फ्लाइओवर से रोजाना हजारों की संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। तीन दिनों तक फ्लाइओवर के बंद होने की वजह से हाइवे पर वाहन चालकों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। शशिकांत के अनुसार, बेयरिंग बदलने का काम आठ चरणों में 6 अप्रैल तक चलेगा। इसके इसके बाद एक्सपेंशन जॉइंट बदलने और डांबरीकरण का काम किया जाएगा।

फायर ब्रिगेड को मिलेंगे आधुनिक एरियल लैडर

मुंबई। महानगर में आग की बढ़ती घटनाओं पर काबू पाने के लिए बीएमसी ने फायर ब्रिगेड को आधुनिक करने का फैसला किया है। फायर ब्रिगेड को एरियल लैडर प्लैटफॉर्म 7 और हाइड्रोलिक प्लैटफॉर्म 2 को खरीदने की मंजूरी स्थायी समिति ने दी है। इसके लिए बीएमसी 7.82 करोड़ खर्च करेगी। इन वाहनों के आने से आग बुझाने में फायर ब्रिगेड को काफी मदद मिलेगी। वाहनों की आपूर्ति करने वाली कंपनी को अगले तीन साल तक इसके मेंटेनेंस की जिम्मेदारी उठानी होगी।

बीएमसी का कहना है कि मुंबई में आग के कारण बड़े पैमाने पर जन और संपत्ति की हानि होती है। फायर ब्रिगेड कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डाल कर लोगों की मदद करते हैं। इसके लिए फायर ब्रिगेड के पास मुंबई में 34 फायर स्टेशन और 270 से अधिक वाहन हैं। कुछ वर्षों के भीतर महानगर में आग लगने की घटनाओं में भारी बढ़ोतरी हुई है। लोगों की बढ़ती जनसंख्या, अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के कार्यालय और ऊंची इमारतों के कारण फायर ब्रिगेड का काम चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसीलिए फायर ब्रिगेड को आधुनिक एरियल लैडर प्लैटफॉर्म व हाइड्रोलिक प्लैटफॉर्म की जरूरत है। इससे पहले बीएमसी 1995 से 2016 के बीच 7 एरियल लैडर प्लैटफॉर्म और 2 हाइड्रोलिक प्लैटफॉर्म खरीद चुकी है। फायर ब्रिगेड का कहना है कि पुराने वाहनों की देख-रेख और मरम्मत फायर ब्रिगेड डिपो में ही होती है।

केजरीवाल की तारीफः मिलिंद देवड़ा पर भड़के अजय माकन, बोले, 'ब्रदर! पहले कांग्रेस छोड़ दो'

नई दिल्ली/ मुंबई। दिल्ली के तीसरी बार मुख्यमंत्री बने अरविंद केजरीवाल की तारीफ करने पर कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा को अजय माकन ने फटकार लगाई है। देवड़ा ने केजरीवाल की तारीफ करते हुए ट्वीट किया था कि उन्होंने पांच साल में दिल्ली के राजस्व को फायदे में रखा। इस पर पलटवार करते हुए माकन ने देवड़ा को कांग्रेस छोड़ने की सलाह दे डाली। उन्होंने देवड़ा के तथ्यों का खंडन करते हुए उन्हें 'अधपके तथ्यों' से प्रचार न करने की नसीहत भी दी।

दिल्ली विधानसभा में केजरीवाल की जीत और तीसरी बार सीएम पद की शपथ लेने के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मिलिंद देवड़ा ने रविवार को ट्वीट कर उनकी तारीफ की थी। उन्होंने लिखा, 'कम ज्ञात तथ्य साझा कर रहा हूं। बीते पांच साल

में अरविंद केजरीवाल नीत दिल्ली सरकार ने अपना राजस्व दुगुना कर 60 हजार करोड़ रुपये कर लिया है और साथ ही अपने राजस्व में मुनाफे को बरकरार रखा है। सारगर्भित विचारः दिल्ली अब मालगुजारी की दृष्टि से भारत की सबसे विवेकशील सरकार है।'

देवड़ा की बात का खंडन करते हुए दिल्ली विधानसभा के पूर्व स्पीकर और कांग्रेस नेता अजय माकन ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। माकन ने कहा, ब्रदर, आपको पहले कांग्रेस छोड़ देना चाहिए और फिर ऐसे अधपके तथ्यों का प्रचार करना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि वह भी एक कम ज्ञात तथ्य साझा करना चाहते हैं।

माकन ने बताया कि कांग्रेस सरकार के दौरान 1997-98 से 2013-14 के बीच राजस्व में 14.87 प्रतिशत (4 हजार 73 करोड़ से 37 हजार 459 करोड़) की वृद्धि दर्ज की गई थी जबकि 2015-16 से 2019-20 के बीच आप सरकार के दौरान चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) महज 9.90 प्रतिशत (41 हजार 129 करोड़ से 60 हजार करोड़) रही।

मुंबई की बार गर्ल यूं बनी क्राइम क्वीन, ट्रेन में चोरी करके खरीद लिया फ्लैट

मुंबई। 37 साल की यास्मीन शेख सालों से ट्रेन यात्रियों के सामान चुरा रही है। रेकॉर्ड्स के मुताबिक, उसके खिलाफ चोरी के कुल 53 केस दर्ज हैं। मुंबई की यह 'क्राइम क्वीन' लगभग 10 साल से महिला यात्रियों के सामान चुराती रही है। कहा जा रहा है कि इसी चोरी के दम पर उसने गोवंडी में एक फ्लैट खरीदा है। यही नहीं यास्मीन की बेटी भी बोर्डिंग स्कूल में पढ़ रही है। फिलहाल यास्मीन शेख राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की कस्टडी में है।

बताया गया कि यास्मीन ने अपना करियर बार गर्ल के रूप में शुरू किया था और वह ऐंटॉप हिल में रहती है। महाराष्ट्र में बार पर पाबंदी लगने के बाद यास्मीन ने अपराध की दुनिया में पैर रखा। उसने महिला स्नैचर्स से संपर्क किया और बुर्का पहनकर चोरी शुरू कर दी। दो शादियां कर चुकी यास्मीन के दो बच्चे हैं। उसकी 15 साल की बेटी एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ती है और अपनी मां के साथ नहीं रहती है।

एक अधिकारी ने बताया, '26 जनवरी को एक टीचर ने वडाला जीआरपी चौकी में चोरी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि ट्रेन में बुर्का पहने एक महिला उनके पास खड़ी थी, बाद में उनका मंगलसूत्र गायब हो गया।' सीनियर इन्स्पेक्टर राजेंद्र पाल ने बताया, 'सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमने यास्मीन शेख की पहचान की। बाद में यास्मीन को गोवंडी स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। उससे पास से लगभग

5.5 तोला सोना बरामद किया गया है।'

हालांकि, पुलिस को भरोसा था कि यास्मीन ने बहुत सारी चीजें छिपा रखी हैं। बाद में जीआरपी टीम ने छापेमारी की तो टिफिन बॉक्स में छिपाए गए कैश और सोने के गहने बरामद हुए। इसके अलावा कई ऐसे मोबाइल भी बरामद हुए जोकि यास्मीन ने चुराए थे। अब तक यास्मीन के पास से लगभग 8 लाख रुपये की चीजें बरामद हो चुकी है। पुलिस को यह भी पता चला है कि फ्लैट खरीदने के लिए यास्मीन 16 लाख रुपये भी दे चुकी है। हालांकि, अभी प्रॉपर्टी उसके नाम पर ट्रांसफर नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि यास्मीन ट्रेन में छोटे बच्चे के साथ घुसती थी और टार्गेट तय करके खड़ी हो जाती थी। वह ज्यादातर महिलाओं के कोच में ही चढ़ती थी। बच्चे को चुप कराने के बहाने वह महिलाओं के बैग में हाथ डालकर सामान चुरा लेती थी। कई बार कैमरों से बचने के लिए उसने अपने चेहरे के सामने बैग लगा दिया। अब कोर्ट में सुनवाई से पहले उसने परिवार से एक बच्चा लेकर आने को कहा है, जिससे वह सहानुभूति पा सके।

बगैर फास्ट टैग के वाहन चलाना पड़ेगा महंगा!

मुंबई। फास्ट टैग का इस्तेमाल नहीं करने वाले वाहन चालक अब सावधान हो जाएं। बगैर फास्ट टैग के वाहन चलाने वालों से महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) दोगुना टोल वसूलने की योजना बना रही है। एमएसआरडीसी के जॉइंट एमडी विजय वाघमारे के अनुसार, फरवरी के अंत तक मुंबई के सभी पांच टोल नाकों पर फास्ट टैग लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। राज्य के सभी टोल ऑपरेटरों को भी जल्द फास्ट टैग लगाने का आदेश दिया गया है। सभी टोल नाको पर फास्ट टैग लगाने का काम पूरा होने पर इसे कड़ाई से लागू किया जाएगा। इसका पालन नहीं करने वाले से विभाग दोगुना टोल वसूलने पर विचार कर रहा है। विजय ने अनुसार, मुंबई-पुणे एक्सप्रेस हाइवे और बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर फास्ट टैग लगा दिया गया है।

शेयर टैक्सी वालों का खेल, बेस्ट की छुटकी ने कर दिया फेल

मुंबई। पिछले सप्ताह बुधवार के दिन ताडदेव क्षेत्रीय परिवहन विभाग के कार्यालय में टैक्सी वालों ने ह्यचक्का जामह्न कर शेयर टैक्सी का धंधा मंदा होने पर नाराजगी जाहिर की। शेयर टैक्सी वालों के धंधे को छुटकी की नजर लग गई। छुटकी मतलब बेस्ट परिवहन की सबसे छोटी एसी बस, जो आजकल मुंबई की सड़कों पर दौड़ती नजर आ रही है। पिछले कुछ सालों से शेयर ऑटो-टैक्सी वालों ने बेहिसाब किराया बढ़ाया है। इसके बाद बेस्ट परिवहन की मिनी बस संजीवनी साबित हो रही हैं।

पिछले दो महीनों में बेस्ट परिवहन को तकरीबन 300 मिनी एसी बसें मिल चुकी हैं, जो विभिन्न रूटों पर दौड़ रही हैं। 21 सीटों वाली इन बसों को शेयर टैक्सियों की ही तर्ज पर फीडर रूट पर सेवाएं देने के लिए चलाया गया है। खासतौर पर उपनगरीय स्टेशनों पर आने-जाने वालों के लिए ये सेवाएं उपयुक्त साबित हो रही हैं। ताडदेव आरटीओ में विरोध कर रहे टैक्सी वालों का कहना था कि मिनी बसें उनके स्टैंड के पास खड़ी रहती हैं। बेस्ट का कर्मचारी माइक्रोफोन पर आवाज देकर ग्राहकों को सस्ते किराए की जानकारी देता है। इससे शेयर टैक्सीवालों का बिजनेस टूट रहा है। इस मामले में परिवहन विभाग ने मिनी एसी बसों के आरटीओ में रजिस्ट्रेशन को लेकर जांच करने की बात कही, इसके बाद टैक्सी वालों ने विरोध प्रदर्शन खत्म किया। बेस्ट 5 किमी से कम वाले रूट पर मिनी एसी बसें चलाना चाहती है। अंधेरी स्टेशन से सिटी मॉल और लक्ष्मी इंडस्ट्रियल एस्टेट जाने के लिए शेयर ऑटो वाले 40-50 प्रति यात्री वसूल रहे थे। अब इस रूट पर दोनों दिशाओं में रोजाना सौ से ज्यादा सेवाएं चलाकर शेयर टैक्सी वालों का बिजनेस तोड़ा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिटी हलचल

मुंबई, मंगलवार
18 फरवरी, 2020

महा विकास अघाड़ी में खटपट के संकेत, बीजेपी फायदा उठाने की कोशिश में

मुंबई। महा विकास अघाड़ी सरकार के खिलाफ बीजेपी आंदोलन करेगी। जनता के बीच पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी जाकर बताएंगे कि शिवसेना ने चुनाव में जनादेश का कैसे अपमान किया है। पार्टी टठर के साथ किसी तरह का चुनावी गठबंधन नहीं करेगी।

शनिवार को नवी मुंबई के नेरूल में महाराष्ट्र बीजेपी प्रदेश कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक की शुरूआत हुई। बैठक के बारे में पार्टी नेता विनोद तावडे ने पत्रकारों को बताया कि पहले दिन मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने को लेकर चर्चा की गई। पार्टी जल्द ही महाविकास अघाड़ी सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करेगी। तावडे ने आगे बैठक के दूसरे दिन महाविकास अघाड़ी सरकार के 80 दिनों के कामकाज को लेकर राजनीतिक प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। बैठक में सत्ताधारी शिवसेना-कांग्रेस-राकांपा के खिलाफ आंदोलन शुरू करने की रणनीति पर

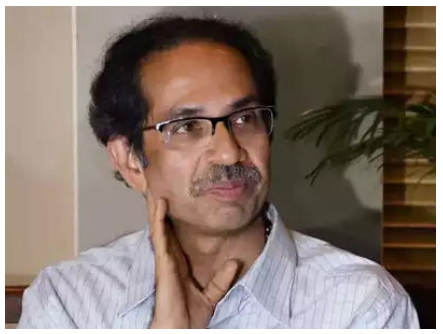

चर्चा की गई है। परिषद के दूसरे दिन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थित में कई सारे प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इसके साथ नागरिक संशोधन कानून (सीएए) और राममंदिर को लेकर पूर्व मंत्री आशीष शेलार मोदी सरकार के समर्थन में अभिनंदन प्रस्ताव रखेंगे। परिषद में आने वाले दिनों में नवी मुंबई, औरंगाबाद जैसे अन्य स्थानीय निकायों में होने वाले चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा की जाएगी।

भीमा-कोरेगांव हिंसा की जांच एनआईए को सौपने को लेकर महा विकास अघाड़ी सरकार में पैदा हुए मतभेद की बाबत पूछे जाने पर तावडे ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का फैसला सही है, लेकिन सरकार में शामिल कुछ दल अपना एजेंडे चलाना चाहते हैं। बीजेपी के जल्द सत्ता में वापसी के सवाल पर तावडे ने कहा कि फिलहाल हमारे पास विपक्ष की भूमिका है।

राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और बीजेपी के बीच बढ़ती नजदीकी रिश्तों पर तावडे ने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय के चुनावों में टठर के साथ बीजेपी कोई गठबंधन नहीं करेगी। नवी मुंबई जैसे अन्य स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी अपने दम पर सत्ता लाने में सक्षम है।

महाराष्ट्र में फडणवीस सरकार के मराठवाडा के लोगों को सूखे से मुक्ति दिलाने के लिए जलयुक्त शिवार व वॉटर ग्रिड जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं ठंडे बस्ते में डाल दी गई हैं।

- किसानों की कर्जमाफी महज एक छलावा से ज्यादा कुछ नहीं है।
- मुंबई के झोपड़ों में रहने वाले को न्यूनतम 500 वर्ग फुट मकान देने का आश्वासन अब तक पूरा नहीं किया गया है।
- राज्य में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ गए हैं, महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस करने लगी हैं।
- शिक्षकों के ऑनलाइन तबादले और प्रापर्टी कॉर्ड ऑनलाइन देने का काम रोक दिया गया है।

फडणवीस की चुनौती- दम है तो फिर से कराएं चुनाव, शिवसेना-कांग्रेस और एनसीपी को अकेले हराएगी बीजेपी

मुंबई। महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी गठबंधन सरकार में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चलने की चचाओं के बीच महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने विपक्षी दलों को चुनौती दी है। फडणवीस ने शनिवार को कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन में अगर दम है तो फिर से चुनाव करा ले। बीजेपी अकेले ही कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना को हरा देगी।

मुंबई में बीजेपी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए फडणवीस ने कहा, 'मैं शिवसेना को चुनौती देता हूं कि अगर आपमें इतना ही आत्मविश्वास है तो फिर से चुनाव लड़ लें। बीजेपी अकेले ही कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना को हरा देगी।' बता दें कि महाराष्ट्र की राजनीति में इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस-शिवसेना-एनसीपी तीन पार्टियों के गठबंधन में

सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

इसके साथ ही भीमा कोरेगांव की जांच का मामला एनआईए को सौंपे जाने पर एनसीपी और शिवसेना में हुई बयानबाजी पर फडणवीस ने कहा, 'भीमा कोरेगांव केस को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को ट्रांसफर किए जाने के लिए मैं मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को धन्यवाद देता हूं। शरद पवार इस कदम का विरोध कर रहे थे क्योंकि उन्हें डर था कि एनआईए की जांच में सच सामने आ जाएगा।' इससे पहले उद्धव ठाकरे ने शिवसेना सरकार के द्वारा एनआईए को जांच सौंपे जाने का विरोध किया था। हालांकि बाद में वह पलट गए।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र की शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी गठबंधन वाली सरकार 'पल में तोला पल में माशा' वाले हाल पर चल रही है। तीनों पार्टियों के नेता कभी कुछ कहते हैं तो अगले ही पल पलट जाते हैं। इसका ताजा उदाहरण एनसीपी चीफ शरद पवार ने पेश किया है। एल्गार परिषद केस की जांच एनआईए को सौंपे जाने पर शरद पवार ने शुक्रवार को ही उद्धव ठाकरे को आड़े हाथ लिया था। अगले ही दिन शरद पवार ने शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे की तारीफ की है।

लगातार घूर रहा था ड्राइवर, चलते ऑटो से कूदी लड़की

मुंबई। ऑटो रिक्शा चालक की बदसलूकी से परेशान होकर 21 साल की एक लड़की चलते ऑटो रिक्शा से कूद गई। वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। घटना मुलुंड कॉलोनी की है। इस बाबत मुलुंड पुलिस ने अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार की रात करीब 11 बजे पीड़िता एक ऑटो रिक्शा से कहीं जा रही थी।

आरोप है कि चालक रिक्शा में लगे शीशे की मदद से लड़की को बार-बार घूर रहा था। कुछ देर बाद निर्धारित रास्ते से जाने की बजाय रिक्शा चालक अनजान रास्ते पर ऑटो चलाने लगा। इस बारे में जब पीड़ित ने पूछा, तो उसने उसको खामोश रहने और जहां मर्जी वहां से ऑटो रिक्शा लेकर जाने की बात कही। पीड़िता को रिक्शा चालक पर शक हुआ और जैसे ही एक जगह रिक्शा की रफ्तार कम हुई, वह चलती रिक्शा से कूदकर भाग गई। लोगों की मदद से पीड़िता घर पहुंची और परिवार वालों में ऑटो रिक्शा चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी को तलाश रही है।

दिल्ली रिजल्ट पर शिवसेना का बीजेपी पर तंज, बाप रे! पूरी दिल्ली 'देशद्रोही'

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी दोस्ती टूटने के बाद शिवसेना अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तंज कसने का कोई मौका नहीं चूक रही है। पार्टी के 'मुखपत्र' सामना की संपादकीय में दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार पर 'देशद्रोही' जिक्र कर निशाना साधा गया है।

संपादकीय में लिखा है, 'बीजेपी के कुछ नेता चुनाव प्रचार के दौरान कहते रहे कि जो बीजेपी को वोट नहीं देगा, वो देशद्रोही है। दिल्ली देश की राजधानी है और दिल्ली ने बीजेपी के विरोध में मतदान किया। अब पूरी दिल्ली को ही देशद्रोही ठहराओगे क्या? अरविंद केजरीवाल की जीत के जश्न में हजारों लोग सड़क पर उतर आए। वे वंदे मातरम और भारत माता की जय नारे लगा रहे थे। यह देशभक्ति की जीत बीजेपी को भला क्यों स्वीकार नहीं है? ' शिवसेना ने कहा कि दिल्ली सहित हालिया विधानसभा चुनावों के नतीजे ने साबित कर दिया है कि बीजेपी अजेय नहीं हैं। वोटर बेईमान नहीं होते हैं। धर्म का बवंडर पैदा किया जाता है, उसमें वे बिल्कुल बहते नहीं हैं। राम श्रद्धा की जीत है ही, लेकिन कुछ विजय हनुमान भी दिलाते हैं। दिल्ली में भी ऐसा ही हुआ। नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर बरसते हुए संपादकीय में लिखा गया है कि केवल दो नेताओं के बलबूते बीजेपी नहीं जीत सकती है और इस दंतकथा से बाहर लोगों को अब बाहर निकलना चाहिए। दिल्ली में बीजेपी 10 सीटें भी नहीं पार कर पाई और केजरीवाल तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं।

बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भारी बहुमत के साथ जीत हासिल की, जबकि बीजेपी ने पिछले चुनाव के मुकाबले अपने आंकड़े में सुधार किया। आप को 62 सीटें मिली हैं, जबकि जीत से काफी दूर बीजेपी को 8 सीटों पर संतोष करना पड़ा। अरविंद केजरीवाल ने रविवार को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

मुंबईः सोशल मीडिया पर पोस्ट किया चाइल्ड पॉर्न, 38 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की साइबर पुलिस ने चाइल्ड पॉर्नोग्राफी के सात केस दर्ज करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने सोशल मीडिया साइट पर चाइल्ड पॉर्न अपलोड किया था। इसे सोशल मीडिया पर चाइल्ड पॉर्न पोस्ट करने की लत थी, इसी वजह से पहले भी फेसबुक ने इसका अकाउंट ब्लॉक कर दिया था। राज्य की साइबर पुलिस को पिछले छह महीनों में 1680 शिकायतें मिलीं, जिसमें से 619 केवल मुंबई से ही थीं।

डीसीपी (साइबर) विशाल ठाकुर ने कहा कि नैशनल क्राइम रेकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी), नैशनल सेंटर फॉर मिसिंग ऐंड ऐक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन (एनसीएमईसी) से मिली शिकायतों के आधार पर यह सभी केस दर्ज किए गए हैं।

एनसीएमईसी चाइल्ड पॉर्नोग्राफी से जुड़े विषयों के लिए वेबसाइट्स, सर्च इंजन और सोशल मीडिया को मॉनिटर करता है। एनसीएमईसी इन सारे डाटा को एफबीआई को मुहैया कराता है, जो अन्य देशों की नोडल एजेंसियों को सभी डाटा शेयर करता है। ठाकुर ने बताया, 'फेसबुक, गूगल, ट्विटर, यूट्यूब, वॉट्सऐप पर अपलोड कॉन्टेंट से गुजरते हुए हमने सात केस दर्ज किए हैं। एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया है।' उन्होंने बताया, 'गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान हृदय पटेल के तौर पर की गई है। 38 वर्षीय पटेल सेंट्रल मुंबई का निवासी है। वह सोशल मीडिया पर इस तरह की हरकतें लगातार करता रहता है, जिस वजह से फेसबुक ने भी उसे ब्लॉक किया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

क्षितिज से कौन पुकारे

बात करीब 13 साल पुरानी है, ऑस्ट्रेलिया के दो खगोल वैज्ञानिक टेलीस्कोप से मिले पुराने आंकड़ों के रिकॉर्ड खंगाल रहे थे। अचानक उनकी नजर 2001 के एक आंकड़े पर गई। उन्होंने पाया कि उस समय सुदूर क्षितिज के किसी कोने में अचानक रेडियो किरणों का बहुत तेज विस्फोट सा हुआ था, जो महज एक सेकंड के सौवें हिस्से तक रहा, लेकिन टेलीस्कोप के आंकड़ों में वह दर्ज हो गया। उन्होंने इसे फास्ट रेडियो बर्स्ट, संक्षेप में एफआरबी का नाम दिया। वे नहीं जानते थे कि यह विस्फोट कहां हुआ? और सबसे बड़ी बात कि कैसे हुआ? वैज्ञानिकों ने इसके कारण ढूंढ़ने शुरू किए। सही कारण तो अभी तक पता नहीं चला, लेकिन कई तरह की परिकल्पनाएं की जाने लगीं। इनमें सबसे दिलचस्प परिकल्पना यही थी कि दूर आकाश में कहीं कोई विकसित सभ्यता है, जो या तो हमें संदेश भेज रही है, या फिर पूरे ब्रह्मांड को अपने अस्तित्व का संकेत देने की कोशिश कर रही है। हमारी दुनिया में सुदूर आकाश में रहने वाले एलियन की कल्पना का एक बहुत बड़ा बाजार है, जिसने इस तरह की खोज को तुरंत हाथों-हाथ लिया। हमेशा की तरह विज्ञान की एक अबूझ पहेली कहानियों और फिल्मों में पहुंचकर दुनिया की ऐसी समस्याओं को हल करती दिखी, जो हकीकत से ज्यादा फसानों और फंतासियों में ही हैं। बाद में जब नए और अच्छे टेलीस्कोप बनने लगे, तो वैज्ञानिकों ने इस पर ध्यान दिया और पाया कि इस तरह के विस्फोट आसमान में यदा-कदा होते रहते हैं। क्या वे एलियन द्वारा भेजे गए संदेश हैं? वैज्ञानिकों ने जब रेडियो किरणों के इस विस्फोट का आकलन किया, तो पाया कि ऐसे एक विस्फोट के लिए उतनी ऊर्जा की जरूरत होगी, जितनी हमारा अपना सूर्य हजारों बरस में पैदा करता है। जाहिर है, सुदूर क्षितिज में बसी कोई सभ्यता, चाहे वह कितनी भी विकसित क्यों न हो, सिर्फ अपने अस्तित्व का संदेश देने के भर के लिए इतनी ज्यादा ऊर्जा तो खर्च नहीं ही करेगी। वैज्ञानिकों ने इसके लिए तारों की टक्कर से लेकर ब्लैक होल और ग्रे मैटर जैसी कई परिकल्पनाएं दी हैं, लेकिन कोई भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं करती। इस बीच कनाडा के कुछ खगोल वैज्ञानिकों ने जो पता लगाया, वह और भी ज्यादा हैरत में डालने वाला है। उन्होंने पाया कि सुदूर अंतरिक्ष के एक कोने पर हर कुछ समय बाद रेडियो किरणों के ऐसे विस्फोट हो रहे हैं। जब इन्हें दर्ज करना शुरू किया गया, तो पता लगा कि ऐसे हर दो विस्फोट के बीच ठीक 16 दिनों का अंतराल है। एक नियमित अंतराल पर हो रहे ऐसे विस्फोट का एक अर्थ यह भी हो सकता है कि यह मामला किसी आकस्मिक दुर्घटना का नहीं, बल्कि वहां कोई प्रक्रिया चल रही है।

तार्किक बहस के बजाय बेतुकी कोशिश

महापुरुष प्रेरक होते हैं। वे लोकमंगल की सिद्धि के लिए कर्म करते हैं। वे सादर स्मरणीय होते हैं। इतिहास उन्हें अपने हृदय में स्थान देता है। इतिहास में शुभ-अशुभ साथ-साथ होते हैं। इतिहास तटस्थ भाव से सभी पक्षों का विवरण संजोता है। महापुरुषों से जुड़ी घटनाओं पर विमर्श राष्ट्रजीवन की बौद्धिकता और इतिहासबोध का संवर्द्धन करते हैं। महात्मा गांधी, सरदार पटेल, वीर सावरकर, डॉ. आंबेडकर, डॉ. लोहिया और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आदि आधुनिक इतिहास के प्रतिष्ठित महानुभावों के कृतित्व पर राष्ट्रीय विमर्श होते रहते हैं, लेकिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू पर सामान्य विमर्श की शुरूआत क्या हुई, उस पर हंगामा हो गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सरदार पटेल के करीबी अधिकारी वीपी मेनन पर नारायणी बसु की किताब का विमोचन करते हुए कहा कि पं. नेहरू सरदार पटेल को पहली मंत्रिपरिषद का सदस्य नहीं बनाना चाहते थे। बसु के अनुसार नेहरू द्वारा वायसराय माउंटबेटन को अगस्त 1947 में लिखे पत्र में पटेल का नाम नहीं था। जयशंकर के इस बयान पर तीखी बहस छिड़ गई है। उन्होंने इसे विमर्श योग्य विषय बताया, लेकिन इतिहासकार रामचंद्र गुहा के साथ कांग्रेस नेता शशि थरूर और जयराम रमेश आक्रामक अंदाज में हैं।

गुहा ने इसे 'मिथ और 'फेक न्यूज बताते हुए कहा कि विदेश मंत्रियों को कुछ पुस्तकें भी पढ़नी चाहिए। जयशंकर ने भी रोचक प्रत्युत्तर में कहा, 'पढ़ना अच्छी आदत है। प्रोफेसरों को भी पढ़ते रहना चाहिए। खासकर बसु की ताजा किताब उन्हें भी पढ़नी चाहिए। जयशंकर ने जेएनयू से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में पीएचडी की उपाधि हासिल की है। गुहा भी बहुपठित हैं, लेकिन उनके विवेचन में अंतर्विरोध है। उनकी किताब 'इंडिया आफ्टर गांधी बेहद लोकप्रिय रही है। उसके हिंदी अनुवाद 'भारत : गांधी के बाद के पृष्ठ सात पर लिखा है, 'संविधान सभा के मध्यरात्रि के सत्र के बाद जवाहरलाल नेहरू गवर्नर जनरल को मंत्रियों की सूची सौंपने गए। उन्होंने उन्हें एक खाली लिफाफा थमा दिया। हालांकि शपथ ग्रहण समारोह शुरू होने के समय तक वह कागज का टुकड़ा वापस मिल गया था। गुहा के अनुसार इस सूची में पटेल का नाम था। गुहा ने खाली लिफाफे का रहस्य नहीं बताया। गुहा के अनुसार मूल कागज खो गया था। शपथ ग्रहण के समय 'कागज का वह टुकड़ा मिल गया था। शपथ के पहले खाली लिफाफा और कागज का टुकड़ा जैसे विवरण देकर गुहा क्या छिपाना

चाहते हैं? मंत्रिपरिषद की सूची में गैर-कांग्रेसी नाम भी थे। गुहा इसी पृष्ठ पर लिखते हैं, 'सूची में शामिल तीन लोग जन्मजात कांग्रेस विरोधी थे। ये मद्रास के शेट्टी, डॉ. आंबेडकर और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे। जब कांग्रेस के नेता जेलों में बंद थे तो इन तीनों ने अंग्रेज शासकों के साथ सहयोग किया था। गुहा की यह टिप्पणी सम्मानजनक नहीं है। मंत्रिपरिषद के गठन पर संभवतः पं. नेहरू की इच्छा मनमानी की थी। गुहा ने लिखा है कि 'गांधी जी ने उन्हें पहले ही सतर्क किया था कि आजादी हिंदुस्तान को मिली है, कांग्रेस को नहीं। मंत्रिपरिषद में काबिल लोगों को जगह मिलनी चाहिए। क्या नेहरू कुछ और चाहते थे? लेकिन मंत्रिपरिषद की सूची पर गांधी का प्रभाव पड़ा। पटेल भी इसी प्रभाव से मंत्री बने हों तो आश्चर्य क्या है? पटेल महान नेता थे। उनका कद बड़ा था। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति तक स्वाधीनता मिलने की बात तय थी कि अंतरिम सरकार के गठन के लिए कांग्रेस अध्यक्ष को ही निमंत्रण मिलेगा। 15 राज्य कांग्रेस समितियों में से 12 ने सरदार पटेल को चुना। शेष तीन ने हिस्सा नहीं लिया। नेहरू स्वयं प्रधानमंत्री पद के इच्छुक थे। पटेल की लोकप्रियता से नेहरू स्वाभाविक ही क्षुब्ध रहे होंगे।

नेहरू और पटेल के मतभेद गोपनीय नहीं रहे। स्वयं गुहा ने उसी किताब में लिखा है, 'नेहरू ने दंगा प्रभावित अजमेर का दौरा करने का फैसला किया। आखिरी क्षणों में उन्होंने खुद न जाकर निजी सचिव को भेजा। पटेल ने इसें गंभीरता से लिया। उन्होंने महसूस किया कि मंत्रालय ने जांच दल को अजमेर भेजा था। प्रधानमंत्री के घोषित दौरे का रद्द होना अविश्वास को दशार्ता है। पटेल नेहरू के बर्ताव से आहत थे। गुहा के मुताबिक नेहरू ने कहा कि 'उनके परिवार में किसी की मौत हो गई थी। इसलिए उन्होंने सचिव को भेज दिया। फिर भी सरकार प्रमुख होने के नाते उन्हें अधिकार था कि वे कहीं भी, कभी भी जा सकें या अपनी जगह किसी को भेजें। उक्त पुस्तक की पृष्ठ संख्या 29 के अनुसार पटेल ने जवाब में कहा कि 'कैबिनेट व्यवस्था में प्रधानमंत्री सिर्फ समान लोगों में प्रथम होता है, वह दूसरे मंत्री से ऊपर नहीं होता और उन पर हावी नहीं हो सकता। यानी नेहरू पटेल पर हावी थे। यह सच गुहा ने ही लिखा है। यहां नेहरू की आलोचना का प्रश्न नहीं है। प्रश्न दोनों नेताओं के मतभेदों की निरंतरता का है। ऐसे तमाम मतभेदों के कारण नेहरू ने प्रारंभिक सूची में उनका नाम न रखा हो तो आश्चर्य क्या है?

इतिहास सत्य तथ्य होता है। नेहरू भी इतिहास के पात्र हैं। उनके प्रति संवेदनशीलता बुरी बात नहीं, लेकिन सरदार पटेल के प्रति भी वैसी ही संवेदनशीलता क्यों नहीं है? पटेल शक्तिशाली एकीकृत राष्ट्र का सगुण चेहरा हैं। कांग्रेस के अधिकृत इतिहासकार डॉ. पट्टाभि सीतारमैया ने आंदोलनकारी पटेल का चित्रण ऐसे किया है, 'जब गांधी जी की तैयारी चल रही थी, वल्लभ भाई अपने नेता से पहले ही चले। तत्कालीन सरकार को उनमें 'जॉन दि बैपटिस्ट की छवि दिखाई पड़ी। जॉन ईसा के अग्रिम सहयोगी थे। उनकी तुलना जर्मनी के एकीकरण के प्रमुख नेता बिस्मार्क से की जाती है। इन्हीं पटेल को 12-13 वर्ष पहले आजमगढ़ में मुस्लिम पॉलिटिकल कार्उंसिल के प्रमुख ने लाखों मुस्लिमों के मारे जाने का जिम्मेदार ठहराया। हैदराबाद को भारत में जबर्दस्ती मिलाने का आरोप लगाया। उन्हें आतंकी बताया। ताजा संदर्भ में बीच बहस में कूदने वाले महानुभाव तब मौनव्रती थे। इसी तरह सावरकर स्वाधीनता संग्राम के नायक हैं। सावरकर पर इंदिरा गांधी ने डाक टिकट जारी किया था। सावरकर से ज्यादा उत्पीड़न झेलने वाला दूसरा राष्ट्रभक्त इतिहास में नहीं, लेकिन तमाम कथित सेक्युलर उन पर लांछन लगाते हैं। गांधी राष्ट्रपिता हैं। उनकी आलोचना पर तमाम किताबें लिखी गई हैं। वह आलोचना की तपिश के बावजूद आदरणीय हैं। तब नेहरू के एक प्रसंग पर लेखक द्वारा पुस्तक में भिन्न मत पर हाय-तौबा क्यों? मूलभूत प्रश्न कई हैं कि क्या गांधी, सावरकर, पटेल, डॉ. आंबेडकर आदि पूर्वज ही आलोचना के पात्र हैं? क्या नेहरू अतर्क्य हैं? क्या नेहरू का यशोगान ही अपरिहार्य है? क्या भारत के लोग अपने अग्रज नेहरू की गलतियों पर विमर्श भी नहीं कर सकते? इतिहास को समझने के लिए हम सब स्वतंत्र विवेक का प्रयोग क्यों नहीं कर सकते? यहां श्रीराम के द्वारा सीता की अग्निपरीक्षा लेने पर बहस संभव है। अपने प्रथम प्रधानमंत्री के कामकाज पर सामान्य विमर्श में भी हल्ला मचाने का औचित्य क्या है? जयशंकर ने बहस का ही आह्वान किया है। बहस में कठिनाई क्या है?

अडिग रुख का प्रदर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और नागरिकता कानून में संशोधन करने के फैसलों पर जिस तरह दो-टूक ढंग से यह कहा कि वह इनसे पीछे हटने वाले नहीं हैं, उससे देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को यह समझ आ जाना चाहिए कि इन मामलों पर भारत पर किसी तरह का दबाव नहीं डाला जा सकता। ये दोनों फैसले राष्ट्र के हितों को ध्यान में रखकर लिए गए हैं और प्रत्येक संप्रभु देश को ऐसा करने का अधिकार है। विश्व के कुछ देशों की ओर से भारत पर दबाव डालने की जो कोशिश की जा रही है, वह मूलतः देश के भीतर कुछ लोगों द्वारा असहमति की आवाज उठाने का परिणाम है। जो लोग अनुच्छेद 370 को हटाए जाने और नागरिकता कानून में संशोधन के फैसलों का विरोध करने में लगे हुए हैं, वे यह समझें तो बेहतर कि कोई भी सरकार अपने निर्णय से इस तरह पीछे नहीं हटती। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर जो लोग भी यह समझ रहे हैं कि धरना-प्रदर्शन, आंदोलन आदि से सरकार किसी भी तरह के दबाव में आ जाएगी, वे भूल ही कर रहे हैं। इसका प्रमाण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने और अधिक अडिग इरादों का प्रदर्शन किया है। बेहतर होगा कि नागरिकता कानून में संशोधन का विरोध कर रहे लोग इस नतीजे पर पहुंचें कि आखिर जब केंद्र सरकार इस कानून पर असहमत लोगों के संदेह का निवारण करने के लिए तैयार है, तब फिर इसका कोई औचित्य नहीं कि वे धरना-प्रदर्शन करें। इसी तरह जो लोग अनुच्छेद 370 के मामले में यह दलील देने में लगे हैं कि यह कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाला पुल था, वे यह समझें कि ये एक अस्थायी अनुच्छेद था और ऐसे किसी अनुच्छेद को स्थायित्व प्रदान करने का कहीं कोई औचित्य नहीं। अनुच्छेद 370 हटाना भले ही एक मुश्किल कार्य रहा हो, लेकिन यह इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि एक तो यह अलगाव को जन्म दे रहा था और दूसरे कश्मीर के लोगों में भेदभाव कर रहा था। चूंकि अनुच्छेद 370 हटाने और नागरिकता कानून में संशोधन करने के फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है और शीर्ष अदालत ने संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई शुरू भी कर दी है, इसलिए बेहतर यही होगा कि उसके फैसले का इंतजार किया जाए। यह आश्चर्यजनक है कि जो लोग खुद को संविधान और लोकतंत्र का हितैषी बता रहे हैं, वे इन दोनों मसलों पर संविधानसम्मत आचरण करने से भी इनकार कर रहे हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भीमा कोरेगांव हिंसा: एनआईए को केस सौंपने पर राकांपा-शिवसेना में विवाद

उद्धव के फैसले के खिलाफ मलिक बोले- हम भी एसआईटी जांच कराएंगे

मुंबई। भीमा कोरेगांव हिंसा की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने के सरकार के फैसले से राकांपा प्रमुख शरद पवार नाराज हैं। उन्होंने सोमवार को अपने घर पार्टी के सभी मंत्रियों की बैठक बुलाई। मीटिंग के बाद राकांपा प्रवक्ता और मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि एसआईटी की जांच के दौरान सेक्शन 10 में यह प्रावधान है कि राज्य सरकार भी समानांतर जांच करवा सकती है। जल्द ही राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख एसआईटी गठित करने का आदेश जारी करेंगे। वे पवार साहब के पत्र पर संज्ञान ले रहे हैं। दरअसल, पवार चाहते थे कि भीमा कोरेगांव मामले की जांच महाराष्ट्र पुलिस करे। एनआईए को जांच सौंपने पर राज्य के गृह मंत्री और राकांपा नेता अनिल देशमुख ने भी आपत्ति जताई थी।

उन्होंने मामले की जांच राज्य की एजेंसी से करवाने की बात कही थी। उद्धव ने देशमुख की बात दरकिनार करते हुए जांच एनआईए को सौंपने का फैसला किया। इसके बाद से ही पवार और ठाकरे के बीच तनातनी जारी है। पवार ने शिवसेना के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था, भीमा-कोरेगांव मामले में महाराष्ट्र पुलिस के कुछ अधिकारियों का व्यवहार आपत्तिजनक था। मैं चाहता था कि इन अधिकारियों के बर्ताव की भी जांच हो। जिस दिन सुबह महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की, उसी दिन शाम को 3 बजे केंद्र ने पूरे मामले को एनआईए को सौंप दिया। संविधान के मुताबिक यह गलत है, क्योंकि आपराधिक जांच राज्य के क्षेत्राधिकार में आती है।

पवार को डर है कि सच्चाई सामने आ जाएगी: फडणवीस - रविवार को पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, भीमा कोरेगांव मामला एनआईए को सौंपने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को धन्यवाद देता हूं। शरद पवार इसका विरोध कर रहे थे, क्योंकि उन्हें डर था कि एनआईए की जांच से सच्चाई सामने आ जाएगी। फडणवीस ने यह भी कहा- मैं आपको (शिवसेना) चुनौती देता हूं कि अगर आप इतने आश्वस्त हैं तो फिर से चुनाव लड़ें। भाजपा अकेले ही कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना को हराएगी।

यवतमाल में वैन पुल से गिरी, 8 की मौत, लोग अस्थि विसर्जन कर लौट रहे थे

मुंबई। यवतमाल में एक पिकअप वैन के पुल से नीचे गिरने से 8 की मौत हो गई और 18 जख्मी हो गए। लोग रिश्तेदार की अस्थि विसर्जन के लिए कोठेश्वर मंदिर गए थे। संस्कार पूरा करने के बाद वे जोडमोहा लौट रहे थे। तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वैन पेड़ से टकराकर पुल से 25 फीट नीचे गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा इतना भयावह था कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मदद के लिए घटनास्थल की ओर भागे। आसपास के थानों की पुलिस और अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जेवर गायब होने पर मां-बेटी के बीच लड़ाई, दोनों ने खाया जहर

मुंबई। शहर के अंधेरी इलाके में घर से जेवर गायब होने पर मां और बेटी के बीच विवाद हो गया। इस दौरान दोनों ने सुसाइड का प्रयास किया। इसमें मां की मौत हो गई है, जबकि बेटी की हालत गंभीर है। उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अंधेरी पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम 6:15 बजे प्रिया सागर (31 साल) ने घर में पाया कि उसके कुछ जेवर नहीं मिल रहे हैं। इस पर उसने मां कमल (46) से पूछा तो उन्होंने बताया कि वह सोमवार को इसे लौटा देगी। इस बात को लेकर

दोनों के बीच झगड़ा हो गया और मामला इस कदर बढ़ा कि प्रिया ने जहरीला पदार्थ खा लिया। प्रिया के पिता उसे इलाज के लिए कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल ले गए। यहां प्रिया की हालत स्थिर बनी हुई है। इस बीच घर के नौकर ने पाया कि कमल लापता है तो उसने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बताया कि कमल ने शाम करीब 6:45 बजे जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मां की मौत पर पुलिस ने एडीआर (एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट) दर्ज कर ली है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

चारों गुनहगारों का तीसरा डेथ वॉरंट जारी

उधर, दोषियों के वकील एपी सिंह ने कहा कि अभी कानूनी विकल्प बाकी हैं और इनका इस्तेमाल न किए जाने को इंसाफ देने में नाकामी कहा जाएगा। उन्होंने बताया कि दोषी पवन क्यूरेटिव पिटीशन और मर्सी पिटीशन लगाना चाहता है। दुष्कर्मी अक्षय भी गुनाह के वक्त अपने नाबालिग होने को लेकर नई याचिका दाखिल करना चाहता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट में जानकारी दी गई कि गुनहगार विनय शर्मा तिहाड़ में भूख हड़ताल कर रहा है। दोषी मुकेश सिंह ने कोर्ट से कहा कि वह नहीं चाहता कि वृंदा ग्रोवर उसकी तरफ से पैरवी करें। इसके बाद कोर्ट ने उसके लिए वकील रवि काजी को नियुक्त किया। विनय के वकील ने कोर्ट से कहा कि मेरा मुवक्किल मानसिक रूप से काफी बीमार है, लिहाजा उसे इस वक्त फांसी नहीं दी जा सकती। 14 फरवरी को दोषी पवन ने अदालत से कहा था कि उसने अपने पुराने वकील को हटा दिया है और नए वकील के लिए उसे वक्त की जरूरत है। इसके बाद अदालत ने उसके अधिकारों की बात कहते हुए नया वकील नियुक्त किया था। मामले की सुनवाई के दौरान निर्भया की मां ने कोर्ट में कहा था- मामले को 7 साल हो चुके हैं। मैं भी इंसान हूं, मेरे अधिकारों का क्या होगा? मैं आपके सामने हाथ जोड़ती हूं, कृपया डेथ वॉरंट जारी कर दीजिए। इसके बाद वे कोर्ट में रो पड़ी थीं। पटियाला हाउस कोर्ट ने पिछले महीने 7 जनवरी को 22 जनवरी को सुबह 7 बजे तिहाड़ जेल में सभी चार दोषियों को फांसी देने के लिए ब्लैक वॉरंट जारी किया था।

मसूद अजहर आर्मी की कस्टडी से गायब

एफएटीएफ की बैठक रविवार को पेरिस में शुरू हुई है। आईएमएफ, संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और अन्य संगठनों समेत 205 देशों के 800 प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। एक रिपोर्ट में भारतीय राजनयिकों के हवाले से कहा गया कि भारत बैठक में पाकिस्तान पर मसूद अजहर पर एक्शन लेने के लिए दबाव बनाएगा। पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) पार्टी के प्रमुख अल्ताफ हुसैन ने एफएटीएफ की बैठक से पहले मसूद अजहर के गायब होने पर चिंता जाहिर की और पाकिस्तान की नीयत पर कई सवाल खड़े किए। मसूद अजहर और उसका परिवार कथित तौर पर पाकिस्तान की कस्टडी से लापता हो गया है। जैश सरगना संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया गया है। पुलवामा हमले का मास्टर माइंड भी मसूद अजहर ही है। पिछले साल जून में खबर आई थी कि रावलपिंडी में हुए धमाकों में मसूद जख्मी हो गया है। वह यहां आर्मी अस्पताल में किडनी के इलाज के लिए भर्ती किया गया था। इसके बाद से उसकी कोई खबर सामने नहीं आई। हुसैन ने ट्वीट किया- मसूद अजहर और उसके परिवार के लापता होने की खबर पेरिस में एफएटीएफ के सत्र की शुरूआत से पहले आई। इस हफ्ते पेरिस स्थित दुनियाभर के आंतकी गतिविधियों और फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था इसका मूल्यांकन करेगी कि क्या पाकिस्तान ने टेरर फाइनेंसिंग से निपटने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस पाकिस्तान में चार दिनों की यात्रा के दौरान सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के प्रांतों का दौरा करेंगे और वहां होने वाले अत्याचार की कहानियों को सुनेंगे।

ट्रंप के स्वागत पर शिवसेना का तंज

मुंबई। बीजेपी की सहयोगी रही और फिलहाल महाराष्ट्र में सत्ता पर काबिज शिवसेना ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की भारत यात्र पर केंद्र सरकार की तैयारियों पर तंज कसा है। सोमवार को उन्होंने कहा कि यह तैयारी भारतीयों की गुलाम मानसिकता को प्रदर्शित करती है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में कहा गया कि ट्रंप की भारत यात्रा किसी बादशाह की यात्रा की तरह है। अहमदाबाद में एक भूखंड पर कथित तौर पर दीवार बनाए जाने की आलोचना करते हुए शिवसेना ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा से न तो विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपए के गिरते मूल्य में सुधार होगा और न ही दीवार के पीछे झुग्गियों में रहने वालों की हालत सुधरेगी। कहा जा रहा है कि ट्रंप की यात्रा से पहले, अहमदाबाद में उस भूखंड पर दीवार बनाई जा रही है जिसमें कई झुग्गियां हैं। सामना में कहा गया, 'स्वतंत्रता से पहले, ब्रिटेन के राजा और रानी भी अपने गुलाम देशों में जाते थे। ट्रंप की यात्रा के लिए करदाताओं के पैसे से इसी प्रकार की तैयारियां हो रही हैं। यह भारतीयों की गुलाम मानसिकता का परिचायक है।' अहमदाबाद में झुग्गी झोपड़ियों वाले भूखंड पर झुग्गियां छिपाने के लिए अहमदाबाद नगर निगम द्वारा दीवार बनाने के निर्णय को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए शिवसेना ने कहा कि ट्रंप के काफिले की नजर से झुग्गियों को छुपाने के लिए दीवार बनाई जा रही है।

देश हित में वतन को जानो कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम संपन्न

गवर्नमेंट ऑफ इंडिया मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर नेहरू युवा केंद्र संघटना महाराष्ट्र गोवा मंडल रिसीव पोलिस तेलंगाना पुणे से आए हुए कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का मुंबई में सम्मानित रूप से आदर भाव से आगमन करते हुए संस्था द हुमन योगा फाउंडेशन के सभी सदस्य Archana yoga teacher योगा गुरु ग्रैंड मास्टर श्री राधे श्याम जयसवार के माध्यम से कश्मीरी युवाओं का मुंबई में स्वागत किया गया योग गुरु राधेश्याम और पुणे के समन्वय श्री यशवंत मान खेड़कर गुरुजी ने जिस तरीके से मुंबई में कश्मीरियों का स्वागत कराया गया इससे यह साबित होता है भारत में कितना मुसलमान भाइयों के लिए दिल में जगह है साथ ही पुलिस प्रोडक्शन के लिए मुंबई के सबसे लोकप्रिय श्री कृष्ण प्रकाश डीजी महाराष्ट्र और उप डायरेक्टर नेहरू युवा केंद्र मुंबई सालुके साहेब के माध्यम से और सभी युवा कार्यकर्ता अपूर्वा' हर्षदा 'सरिता 'नीलम यादव वैभव सर' फोटोग्राफर प्रमोद गुलछा' और मदन घोघाटे की वजह से पूरी कश्मीरी युवा आदान प्रदान की टीम अपने संयम बनाकर पूरे मुंबई दर्शन की दर्शन किए । द हुमन योगा फाउंडेशन की सारी टीम ने अपना पूरा योगदान दिया सर्वप्रथम राकेश जयसवार अर्चना जयसवार (योगा टीचर) जोएसी दर्शन भोसले 'योग गुरु संजय सिंह सुयोग शेट्टी नीलेश यादव मोहन जयसवार 'जवाहर जयसवार जीलाजीत जयसवार' मनोज जयसवाल 'जब्बार गुप्ता जी का बड़ा सहयोग रहा। अखिलेश जयसवार कल या 'भीमा महावीर शुक्ला सुरेश मास्टर रमेश पेंटर हीरा शिवम 'योगा टीचर तौसीफ खान' योगा टीचर ऐश्वर्या 'योगा टीचर अनुराधा' योगा टीचर अमित जयसवार 'सुचित्रा योगा टीचर हरिशंकर जयसवार' संतोष जयसवार तौफीक खान सभी मुस्लिम भाइयों ने अपना साथ दिया। वतन को जानो यह नाम। कारनामा करके दिखाया नेहरू युवा केंद्र के सभी सदस्य ने अपना बहुत योगदान दिया और मुंबई महाराष्ट्र गोवा और यूथ कश्मीरी युवाओं ने मुंबई में हाजी अली गेट ऑफ इंडिया पुलिस मुख्यालय मछली घर नरीमन पॉइंट होते हुए पूरे मुंबई दर्शन बहुत ही अच्छे तरीके से किया और उनकी कोई भी कमी नहीं रह गई थी सभी कमी को पूरा करते हुए हमारे यशवंत मान खेड़कर गुरुजी ने सभी के दिलों को हासिल कर लिया और कश्मीरियों ने बहुत ही खुश होकर मुंबई से पुणे पुणे से कश्मीर चले गए योग गुरु राधेश्याम ने अहम भूमिका निभाई सभी पुलिस स्टेशनों में जा जाकर उनके पुलिस प्रोडक्शन में मदद लिया और सबसे ज्यादा सहकार्य मुंबई डीजी महाराष्ट्र हेल्थ के लिए बहुत जाने जाते हैं उन्होंने मार्गदर्शन दिया और सभी को हैप्पी जर्नी भी दिया किसी भी प्रकार का कोई कमी नहीं आई कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में सब अच्छे से बीत गया जय हिंद जय भारत सभी को मन पूर्वक विदाई देते हुए योगा गुरु ग्रैंड मास्टर राधेश्याम जयसवर खुदा हाफिज अलविदा जय हिंद जय भारत कहते हुए मुंबई से खुदा हाफिज दे दिया और मुंबई से हंसते खेलते कश्मीरी युवा चले गए कार्यक्रम बहुत ही अच्छे समापन हुआ।

कोरोनावायरस

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा- वुहान से शेष भारतीयों को निकाला जाएगा

जापान के तट पर खड़े क्रूज में संक्रमण के 99 नए मामले

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सोमवार को दिल्ली के आईटीबीपी सेंटर में वुहान से लौटे भारतीयों के पहले बैच से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भारतीयों के अन्य बैच को चीन से अगले कुछ दिनों में निकाल लिया जाएगा। उन्हें भी स्क्रीनिंग के लिए दिल्ली के आईटीबीपी ऑब्जर्वेशन सेंटर भेजा जाएगा। उधर, चीन के सबसे ज्यादा प्रभावित हुबेई प्रांत में पिछले 24 घंटे में एक हजार से ज्यादा लोगों की हालत में सुधार आया है। हालांकि, वहां करीब 100 लोगों की मौत हुई और 1696 नए मामले सामने आए। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जापान के तट पर खड़े क्रूज डायमंड प्रिंसेस में संक्रमण के नए मामले सामने आए हैं। इन्हें मिलाकर शिप पर मौजूद संक्रमितों की संख्या 454 हो गई है। केरल में कोरोनावायरस (कोविड-19) से संक्रमित एक और मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिल गई, लेकिन, उसे कुछ दिन और निगरानी में रखा जाएगा। इससे पहले भी एक संक्रमित मरीज की स्थिति बेहतर होने के बाद उसे घर भेज दिया गया था। केरल में संक्रमण के तीन मामले सामने आए थे, जिनमें अब दो की हालत बेहतर हो गई है। एक मरीज को आइसोलेशन सेंटर में रखा गया है। वुहान से लौटे मालदीव के सात नागरिकों को सोमवार को संक्रमण की जांच के बाद उनके देश भेजा जा सकता है। वुहान से दिल्ली के आईटीबीपी सेंटर लाए गए 406 और मानेसर लाए गए 252 मरीजों की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई है। आईटीबीपी के प्रवक्ता ने रविवार को कहा- खून के ताजा नमूनों की जांच के बाद यह पुष्टि हुई है। वुहान से भारतीयों को निकालने वाले मेडिकल टीम को मोदी ने पत्र लिखा। उन्होंने सोमवार को सफदरजंग अस्पताल के नर्सिंग अफसर मनु जोसेफ और मेडिकल टीम के सभी सदस्य को पत्र लिखकर बधाई दी है। पत्र में लिखा गया- वुहान से हमारे नागरिकों को बाहर निकालने में सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया अस्पतालों की जीवन रक्षक कोशिशें सराहनीय है। कोरोनावायरस पूरी दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है। ऐसे में संकट में फंसे भारतीय नागरिकों को निकाले जाने से न केवल बचाए गए लोगों को राहत मिली है। बल्कि दुनिया भर में रहने वाले भारतीय प्रवासियों में विश्वास जगा है कि संकट के समय में पूरा देश मजबूती से खड़ा है।

हुबेई में संक्रमितों की संख्या 58 हजार पार: चीन के हेल्थ कमीशन के मुताबिक, देश में कोरोनावायरस से अब तक 1770 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि संक्रमण के 70 हजार 519 मामले सामने आ चुके हैं। हुबेई में संक्रमितों की संख्या 58,180 हो चुकी है। जबकि 6,630 लोग महामारी से ठीक हो चुके हैं।

कोरोनावायरस से निपटने में भारत चीन के साथ

कोरोनावायरस से निपटने के लिए भारत इस हफ्ते के अंत तक चीन में दवाओं की खेप भेजेगा। भारतीय दूतावास ने सोमवार को कहा कि इस महामारी से निपटने के लिए भारत चीन के साथ है। वापसी में विमान में हुबेई से लौटने की इच्छा रखने वाले कुछ लोग लौट सकते हैं। चीन ने कहा है कि उसे मास्क, ग्लव्स और सुट्स की जरूरत है। चीन में मास्क की भारी कमी हो गई है। पिछले तीन हफ्तों में देशभर में इसकी मांग बढ़ गई है।

चीन 6 दिन में मास्क फैक्ट्री का निर्माण करेगा: चीन एक औद्योगिक भवन को छह दिन में मास्क फैक्ट्री बनाएगा। कोरोनावायरस की वजह से चीन में मास्क की मांग बढ़ गई है। फैक्ट्री को चाइना फर्स्ट फॉर्स्ट्रवशन ग्रुप द्वारा बनाया जाएगा। इससे एक दिन में 2 लाख 50 हजार तक मास्क का उत्पादन हो सकेगा। निर्माण कार्य सोमवार से शुरू हो गया है। कोरोनावायरस का पहला मामला हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में मिला था। माना जा रहा था कि वहां स्थित जंगली जानवरों के अवैध बाजार से यह फैला है। पहले माना जा रहा था कि यह वायरस केवल संक्रमित जानवरों के संपर्क में आने से ही फैलता है। इसके बाद यह पुष्टि की गई कि यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैलता है। हालांकि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि वायरस का संक्रमण कितनी आसानी से हो सकता है।

संध्या समूह को उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया

वापी की संध्या ओर्गेनिक केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, वलसाड के एमडी व चेयरमैन कांतिलाल कोली ने महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल व इकोनॉमिक डेवलपमेंट एसोसिएशन व एस एम ई चेम्बर ऑफ इंडिया के सहयोग से 15 फरवरी के दिन होटल सहारा स्टार में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ एम एस एम ई के स्पेशल सेकेट्री व डेवलपमेंट कमिश्नर आर एम मिश्रा के हाथों महाराष्ट्र उद्योग में वर्ष में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन व विदेश निकास के लिए एस एम ई ऐकसिलेन्स एवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रमुख चंद्रकांत सालुंखे भी उपस्थित थे। गुजरात में अनेक एवार्ड मिलने के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार से एम एस एम ई विभाग द्वारा दूसरे वर्ष भी ऐकसिलेन्स एवार्ड मिलने से संध्या ग्रुप के तमाम कर्मचारियों व परिवारजनों में खुशी फैल गई।

पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज में मिसाइल लॉन्चिंग प्रणाली होने का शक

पाकिस्तान जा रहे चीनी जहाज 'दा कुइ युन' को कस्टम विभाग की टीम ने दो सप्ताह पहले गुजरात के कांडला बंदरगाह के निकट रोका था। इस जहाज में कथित तौर पर परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल को लांच करने वाले उपकरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मिला है। सूत्रों ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों की एक टीम पहले ही जांच कर चुकी है और सोमवार को एक और टीम इसकी जांच करेगी। 'दा कुइ युन' जहाज पर हॉन्ग कॉन्ग का झंडा लगा था। इसने चीन के जियांगयिन बंदरगाह से कराची के मोहम्मद बिना कासिम बंदरगाह के लिए गत 17 जनवरी को यात्रा शुरू की थी।

अरूबा ने बेहद सरल, सुरक्षित वाई-फाई लॉन्च किया

जिसे छोटे व्यवसायों और SOHO उपयोगकर्ताओं की कनेक्टिविटी के सहज अनुभव के लिए डिजाइन किया गया है

हैवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज की एक कंपनी, अरूबा ने आज अरूबा इंस्टेंट ऑन के लॉन्च की घोषणा की, जो छोटे व्यवसायों तथा SOHO (स्मोल ओफिस/ होम ओफिस) उपयोगकर्ताओं की मौजूदा एवं भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए बेहद प्रभावशाली व अत्यंत सुरक्षित वायरलेस समाधान की एक नई श्रेणी है। इसके मॉडल्स को इनडोर, आउटडोर एवं हॉस्पिटैलिटी या एसओएचओ परिवेश के अनुरूप डिजाइन किया गया है, और इस तरह सभी को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप विकल्प उपलब्ध होता है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में श्री. शांतनु घोष -निदेशक, एचपीई अरूबा, श्री। श्री रौनक जगासिया, डायरेक्टर सेवेक्स टेक्नोलॉजीज प्रा. लि.और श्री अमोल मित्रा, वाइस प्रेसिडेंट एवं जनरल मैनेजर, वर्ल्डवाइड स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस, एचपीई अरूबा उपस्थित थे। अरूबा इंस्टेंट ऑन को भारतीय उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं तथा मौजूदा कनेक्टिविटी संकट को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसे शुरू करना बेहद आसान है तथा यह सुरक्षा में किसी प्रकार के समझौते के बिना उच्च प्रदर्शन वाले वाई-फाई के उपयोग को सुनिश्चित करता है। अरूबा इंस्टेंट ऑन एक्सेस पॉइंट्स को इस तरह डिजाइन किया गया है, जो उपभोक्ताओं के लिए वर्तमान में मौजूद वाई-फाई राउटर से ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इसमें पहले से मौजूद सुरक्षा सुविधाओं, प्रति नेटवर्क ट्रैफिक क विभाजन तथा एक ही नेटवर्क से कई AP को जोड़ने की क्षमता की वजह से आपको घर के अंदर हो या बाहर, कहीं भी सबसे तेज और सुरक्षित कनेक्शन मिल सकता है। इंस्टेंट ऑन फैमिली में इनडोर/आउटडोर डेस्कटॉप हॉस्पिटैलिटी वाई-फाई एक्सेस पॉइंट (APs) शामिल होंगे, जिसे परेशानी मुक्त सेट-अप तथा मैनेजमेंट के साथ अत्यंत सुरक्षित व उच्च गति के साथ वायरलेस कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, और यह सभी सुविधाएं उच्चतम गुणवत्ता, बेहतर प्रदर्शन तथा अव्वल दर्जे की सहायता के साथ उपलब्ध हैं, जिसकी ग्राहक अरूबा से उम्मीद करते हैं। इस अवसर पर भारत में एचपीई अरूबा के निदेशक- श्री शांतनु घोष ने कहा, आज के दौर में जिंदगी वाई-फाई के इर्द-गिर्द केंद्रित हो गई है, और ऐसी स्थिति में आपके पास निश्चित तौर पर उच्च कोटि का वायरलेस एक्सेस पॉइंट होना चाहिए। यह ऐसा होना चाहिए, जो कंटेंट के उपयोग तथा संचार के आपके अनुभवों में नई जान डाल देता है, निश्चित तौर पर इसे अत्यंत कुशल एवं सरल होना चाहिए।

राजनैतिक मुद्दों में शायद खो गया किसान आत्महत्या का मुद्दा!

हमारे देश में किसानों की आत्महत्या एक राष्ट्रीय समस्या का रूप धारण कर चुकी है। आये दिन देश के किसी ना किसी हिस्से से किसानों के आत्महत्या करने की खबरें मिलती रहती हैं। देश की प्रगति एवं विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद भी किसानों को जिन्दगी से निराश होकर ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने के मामलों में अप्रत्याशित तौर पर काफी वृद्धि हुई है।

भारत में किसान आत्महत्या 1990 के बाद पैदा हुई स्थिति है जिसमें प्रतिवर्ष दस हजार से अधिक किसानों के द्वारा आत्महत्या की रपटें दर्ज की गई हैं। भारतीय कृषि बहुत हद तक मानसून पर निर्भर है तथा मानसून की असफलता के कारण नकदी फसलें नष्ट होना किसानों द्वारा की गई आत्महत्याओं का मुख्य कारण माना जाता रहा है। मानसून की विफलता, सूखा, कीमतों में वृद्धि, ऋण का अत्यधिक बोझ आदि परिस्थितियां समस्याओं के एक चक्र की शुरूआत करती हैं। बैंकों, महाजनों, बिचौलियों आदि के चक्र में फंसकर भारत के विभिन्न हिस्सों के किसानों ने आत्महत्याएं की हैं। आरम्भ में किसानों द्वारा आत्महत्याओं की रपटें महाराष्ट्र से आईं। लेकिन जल्दी ही आंध्र प्रदेश से भी आत्महत्याओं की खबरें आने लगीं। शुरूआत में लगा की अधिकांश आत्महत्याएं महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के कपास उत्पादक किसानों ने की हैं लेकिन महाराष्ट्र के राज्य अपराध लेखा कार्यालय से प्राप्त आंकड़ों को देखने से स्पष्ट हो गया कि पूरे महाराष्ट्र में कपास सहित अन्य नकदी फसलों के किसानों की आत्महत्याओं की दर बहुत अधिक रही है। आत्महत्या करने वाले केवल छोटी जोत वाले किसान नहीं थे बल्कि मध्यम और बड़े जोतों वाले किसान भी थे। राज्य सरकार ने इस समस्या पर विचार करने के लिए कई जांच समितियां बनाईं। बाद के वर्षों में कृषि संकट के कारण महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश , उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी किसानों ने आत्महत्याएं कीं। सत्ता में कोई भी रहे किसानों के लिए कोई भी दल गंभीर नहीं है। उत्तर प्रदेश के चुनाव में किसानों की बदहाली मुद्दा तो था लेकिन आरोप प्रत्यारोप से आगे कोई चर्चा नहीं होती। 2022 तक किसान की आमदनी को दो गुना करने के अपने सपने को साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी जनसभाओं में कहते हैं कि राज्य में सरकार बनते ही किसानों का कर्ज माफ हो जाएगा। इस पर किसानो का कहना है कि वे नेता सिर्फ घडियाली आंसू बहते हैं। ना पिछली यूपीए सरकार गंभीर थी और ना ही वर्तमान मोदी सरकार। यानी किसान अब सच्चाई समझने लगे हैं, और शायद बड़ें सपने देखने से कतराने भी लगे हैं।

किसानों की आत्महत्या किसी भी समाज के लिए एक बेहद शर्मनाक स्थिति है। आखिर वो कौन सी परिस्थितियां हो सकती हैं जिसकी वजह से किसान, जो सबके लिए अनाज उपजाता है वो आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है। भारत में अभी हाल के दिनों में किसानों के आत्महत्या करने के आंकड़ों में वृद्धि दर्ज की गयी है जो वाकई चिंता का विषय है और इस ओर अगर वक्त रहते ध्यान नहीं दिया गया तो ये हालात और भी बिगड़ सकते हैं। सरकार को किसानों की आत्महत्या जैसे ज्वलंत मुद्दे को समझने और उन कारणों, जिनकी वजह से किसान इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर हो जाते हैं, का समाधान सोचने की आवश्यकता है। भारत जैसे एक कृषि प्रधान देश में किसानों की आत्महत्या बेहद चिंताजनक स्थिति है। कृषि क्षेत्र में निरंतर मौत का तांडव दोषपूर्ण आर्थिक नीतियों का नतीजा है। दोषपूर्ण आर्थिक नीतियों के चलते कृषि धीरे-धीरे घाटे का सौदा बन गई है, जिसके कारण किसान कर्ज के दुश्चक्र में फंस गए हैं। पिछले एक दशक में कृषि ऋणग्रस्तता में 22 गुना बढ़ोतरी हुई है। अतः सरकार को किसानों के लिये प्रभावी नीतियों का निर्माण करना होगा। सबसे बढ़कर इन नीतियों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना होगा। किसानों की बेहतरी के लिए सरकारों ने अभी तक कई समितियां बनाईं। इन समितियों ने अच्छी सिफारिशें भी प्रस्तावित कीं, फिर भी किसानों के हालात में कोई सुधार नहीं आया है। जमीनी स्तर पर आज किसानों की हालत बेहद खराब है। उन्हें तमाम परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। किसानों की खुदकुशी रोकने के लिये यदि सरकार वाकई संजीदा है, तो वह जल्द से जल्द एक ऐसी योजना बनाए जिसमें किसानों के हितों का खास खयाल रखा जाए। किसानों के सामने ऐसी नौबत ही न आए कि वे खुदकुशी के बारे में सोचें।

किसानों की स्थिति बेहतर बनाने और उन्हें आत्महत्या करने से रोका नहीं गया तो यह स्थिति और भी भयावह रूप धारण कर सकती है। उनके लिए फसल बीमा, फसलों का उच्च समर्थन मूल्य एवं आसान ऋण की उपलब्धता सरकार को सुनिश्चित करनी होगी तभी किसानों की स्थिति सुधरेगी और उन्हें आत्महत्या करने से रोका जा सकेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आरक्षण पर मायावती ने मोदी सरकार को घेरा, 'गरीबों के हक पर हो रहे हमले'

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। माया ने कहा कि केंद्र सरकार के लगातार उपेक्षित रवैये के कारण यहां सदियों से पिछड़े अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वर्ग के शोषितों-पीड़ितों को आरक्षण के माध्यम से देश की मुख्यधारा में लाने का सकारात्मक संवैधानिक प्रयास विफल हो रहा है।

मायावती ने ट्वीट किया कांग्रेस के बाद अब बीजेपी और इनकी केंद्र सरकार के लगातार उपेक्षित रवैये के कारण यहां सदियों से पछाड़े गए एससी, एसटी व ओबीसी वर्ग

के शोषितों-पीड़ितों को आरक्षण के माध्यम से देश की मुख्यधारा में लाने का सकारात्मक संवैधानिक प्रयास फेल हो रहा है, जो अति गंभीर व दुर्भाग्यपूर्ण है।

बीएसपी चीफ ने कहा, केंद्र के ऐसे गलत रवैये के कारण ही कोर्ट ने सरकारी नौकरी व प्रमोशन में आरक्षण की व्यवस्था को जिस प्रकार से निष्क्रिय/निष्प्रभावी ही बना दिया है ,उससे पूरा समाज आक्रोशित है। देश में गरीबों, युवाओं, महिलाओं व अन्य उपेक्षितों के हकों पर लगातार घातक हमले हो रहे हैं।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा, ह्यऐसे में केंद्र सरकार से मांग है कि वह आरक्षण की सकारात्मक व्यवस्था को संविधान की 9वीं अनुसूची में लाकर इसको सुरक्षा कवच तब तक प्रदान करे, जब तक उपेक्षा व तिरस्कार से पीड़ित करोड़ों लोग देश की मुख्यधारा में शामिल नहीं हो जाते हैं, जो आरक्षण की सही संवैधानिक मंशा है।

1993 के बाद से दिल्ली में सिर्फ चार महिलाएं कैबिनेट मंत्री बनीं

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में महिलाओं को कैबिनेट में जगह न के बराबर मिलती रही है। 1993 के बाद से दिल्ली में केवल चार महिला कैबिनेट मंत्री हुई हैं। वहीं, दिल्ली देश के उन तीन राज्यों में शामिल हैं, जहां दो महिला मुख्यमंत्री हुईं। इन राज्यों में तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और दिल्ली हैं। लेकिन दिल्ली में कैबिनेट मंत्रियों में महिलाओं की संख्या कम रही। दिल्ली की चार कैबिनेट मंत्रियों में बीजेपी की पूर्णिमा सेठी (1998), कांग्रेस की कृष्णा तीरथ (1998-2001) और किरण वालिया (2008-13) और आप की राखी बिड़लान (2013-14) शामिल हैं। इनमें से सिर्फ किरण वालिया ने बतौर कैबिनेट मंत्री अपना कार्यकाल पूरा किया।

दिल्ली की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों, कांग्रेस बीजेपी और आप में से कांग्रेस ने सबसे ज्यादा महिला कैबिनेट मंत्री दिए हैं और लंबे समय के लिए एक महिला मुख्यमंत्री भी दिया। रविवार को केजरीवाल ने तीसरी बार शपथ लेकर दिवंगत शीला दीक्षित का रिकॉर्ड तोड़ा है। शीला दीक्षित सबसे ज्यादा समय तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं। दिल्ली में कुल सात बार विधानसभा चुनाव हुए, जिसमें हाल में हुआ चुनाव भी शामिल है। लेकिन राष्ट्रीय राजधानी होने के बावजूद शहर की राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम ही रहा। आप महिलाओं और समाज में उनके योगदान और उनकी सुरक्षा लेकर मुखर रही है, लेकिन अरविंद केजरीवाल के तीनों कैबिनेट में सिर्फ एक बार महिला विधायक को जगह मिली। आप की राखी बिड़लान को केजरीवाल के पहले 49 दिनों के कार्यकाल के दौरान महिला और बाल, समाज कल्याण और भाषा मंत्री बनाया गया था। महिलाओं का प्रतिनिधित्व सिर्फ राज्य कैबिनेट में ही कम नहीं रहा, बल्कि दिल्ली विधानसभा में भी कम रहा। दिल्ली विधानसभा में 1993 के पहले चुनाव से लेकर अभी खत्म हुए 2020 के चुनाव तक कुल 39 महिलाएं चुनी गईं।

डेप्युटी सीएम ने दिलाया भरोसा, 'बढ़ेगी यातायात की रफ्तार, आएगी विकास की बहार'

लखनऊ। शहर के रेंगते ट्रैफिक से सभी आजिज हैं। राजाजीपुरम जाना हो तो नाका चौराहे के आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है। टेढ़ी पुलिया का जाम, झुंझलाहट पैदा करता है। पुराने लखनऊ में चलना... उफ्फ! किसी सजा से कम नहीं है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ आप ही इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। आपकी दिक्कत सरकार भी जान-समझ रही है।

शनिवार को रेनेसां होटल में एनबीटी के 'लखनऊ विकास संवाद' में पहुंचे डेप्युटी सीएम दिनेश शर्मा और यूपी सरकार में शामिल शहर के दो अन्य नुमाइंदों ब्रजेश पाठक (कैबिनेट मंत्री), स्वाति सिंह (राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार) ने भी माना कि शहर के विकास में यातायात ही सबसे बड़ी चुनौती है।

इसके अलावा सरकार स्मार्ट लखनऊ ऐप, डंपिंग पॉइंट खत्म करके, ई-चालान व्यवस्था लागू करके और अतिक्रमण के खात्मे से शहर की स्मार्टनेस में इजाफा करेगी। दिनेश शर्मा ने कहा कि संकरे इलाकों में आबादी का दबाव बढ़ने की वजह से लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है। नाका चौराहे पर एक पुल बन रहा है। पुराने लखनऊ में दो, जबकि एक पुल टेढ़ी पुलिया पर बनाया जा रहा है। शहीद पथ के बाद आउटर रिंग रोड रास्ता आसान करेगा। मेट्रो के दूसरे फेज में पुराना लखनऊ भी इससे जुड़ेगा। ब्रजेश पाठक ने कहा कि ट्रैफिक के लिहाज से शहर के चार बॉटलनेक हैं। चारों जगह फ्लाईओवर बन रहे। ये शहर के यातायात की लाइफलाइन बनेंगे। एक पुल मार्च तक तैयार हो जाएगा जबकि दो पुल मई तक। अक्टूबर-नवंबर तक चौथे पुल का काम पूरा हो जाएगा।

छात्रा के सहपाठी छात्र को घर बुलाकर की हत्या

आरा। बिहार के भोजपुर जिले के आयर थानाक्षेत्र में एक लड़की के परिजनों द्वारा ह्यवेलेंटाइन डेह्न के दिन उसके सहपाठी की हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने बताया कि छात्र (15) के शव को रविवार को बरामद कर पोस्टमार्टम जिला मुख्यालय आरा स्थित सदर अस्पताल में कराया गया। पुलिस के मुताबिक छात्र और उसकी साथी छात्रा नौवीं कक्षा में पढ़ते थे। उन्होंने बताया कि छात्र वेलेंटाइन डे के दिन से ही लापता था, परिजनों ने खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं

बच्ची को बहला-फुसलाकर खेत में ले गया नाबालिग, रेप करने के बाद फरार

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले में मंसलपुर पुलिस थाने के अंतर्गत पांच साल की बच्ची के साथ रेप की घटना सामने आई है। आरोपी पीड़िता के गांव का ही रहने वाला नाबालिग निकला जिसने बच्ची के साथ हैवानियत कर उसे खेत में ही छोड़ दिया। घटना शनिवार शाम की है और महिला थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं बच्ची देर रात दो बजे के आस-पास बच्ची का मेडिकल टेस्ट हुआ। आरोपी अभी गिरफ्त से बाहर है।

महिला थाना के प्रभारी सैयद शरीफ अली खान ने कहा, 'हमें रिपोर्ट मिली कि बच्ची के साथ रेप हुआ है और उसे करीब 9 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हम तुरंत वहां पहुंचे, बच्ची की स्थिति देखी और पॉक्सो व आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।' शिकायतकर्ता के अनुसार , बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी तभी आरोपी उसे लालच देकर खेत में ले गया। आरोपी ने बच्ची के साथ रेप किया और वहां से फरार हो गया। बच्ची के पैरंट्स उसे शाम से ढूंढ रहे थे लेकिन वह करीब 8 बजे खेत में पड़ी मिली जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए देर रात 2 बजे मेडिकल कराया गया। बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर है और जांच जारी है। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने तीन टीमें बनाईं। एक अधिकारी ने बताया,'एफआईआर में बच्ची के माता-पिता ने एक स्थानीय युवक का नाम बताया जो नाबालिग हो सकता है। पुलिस आरोपी का पता लगाने के लिए ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। हम मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और ग्रामीणों से पूछताछ भी कर रहे हैं।

5 घंटे में दिल्ली से गाजियाबाद तक दहशत, जानें 'जुर्म के राजा' की कहानी

नई दिल्ली। 12 फरवरी को सिर्फ 5 घंटे में लोनी से दिल्ली तक दहशत मचाने वाले दो बदमाशों को आखिरकार पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल ने सोमवार तड़के एक एनकाउंटर में दो बदमाशों को ढेर कर दिया। पुलिस को इन बदमाशों के मूवमेंट की खबर मिली थी जिसके बाद इनकी घेराबंदी की गई। एनकाउंट में बदमाशों को गोली लगी, इसके बाद हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने इन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा पुलिसकर्मी को भी गोली लगी है और उनका इलाज चल रहा है। इन बदमाशों पर कई मर्डर और जानलेवा हमले के केस दर्ज हैं।

12 फरवरी को एक दिन में ही इस गैंग ने एक मर्डर और तीन जानलेवा हमले समेत 4 वारदातों को अंजाम

दिया था। इसलिए नॉर्थ ईस्ट जिला पुलिस, क्राइम ब्रांच और यूपी पुलिस गैंग की तलाश में जुटे थे। मारे गए बदमाशों में से एक रफीक कुरैशी उर्फ राजा पहलवान पर 50 हजार रुपये का इनाम था। यह लोनी के विकास कुंज का रहने वाला था। दूसरे मारे गए बदमाश का नाम रमेश बहादुर है।

एक आला अफसर ने बताया कि कारोबारियों को लूटना और सट्टेबाजी समेत गैरकानूनी धंधों में लिप्त लोगों से रंगदारी वसूलना इस गैंग का टारगेट रहता था। लोनी और नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में पहले ही कई गैंग हैं, जो इन कामों को अंजाम दे रहे हैं। राजा गैंग रौब जमाने के लिए जानलेवा हमला और मर्डर करने से भी नहीं हिचकता। इसी तरह लूट की वारदात को यह गिरोह अंजाम देता है। फिलहाल यह गैंग लोनी से दिल्ली के करावल नगर, खजूरी खास, सोनिया विहार, दयालपुर और गोकुलपुरी इलाके में सक्रिय था। राजा ने 12 फरवरी 2020 को शाम 8:30 बजे से रात 2:00 बजे तक चार वारदात को अंजाम दिया। करावल नगर में पता पूछने पर हुई बहस में प्रॉपर्टी डीलर और उसके पास सादी वर्दी में बैठे दो पुलिसवालों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। लोनी के आर्य नगर में 15 राउंड गोलियां बरसाईं। फिर लोनी में अपने साथी सलमान को आधा दर्जन गोली मार ढेर किया। रात करीब 2 बजे वापस सलमान के घर के बाहर दो राउंड फायर दहशत फैला गया।

जुर्म के 'राजा' की फेहरिस्त

फरवरी 2015 : लोनी नगर पालिका ठेकेदार कमल प्रधान की गोली मार हत्या

सितंबर 2019 : लोनी के प्रेम नगर में सट्टेबाज नफीस कुरैशी का किया कत्ल

अक्टूबर 2019 : करावल नगर में राजबहादुर को गोद लेने वाले किशोर लंगड़े को मारा

दिसंबर 2019 : करावल नगर में शिव विहार में सट्टेबाज जावेद फायटर को मारा

दिसंबर 2019 : दयालपुर में एक कारोबारी पर फायरिंग कर लूट को दिया अंजाम

प्यार का शहर है मांडू, अभी है घूमने का बेस्ट टाइम

मांडू मध्य प्रदेश का एक ऐतिहासिक और बेहद सुंदर टूरिस्ट प्लेस है। इसका पुराना नाम मांडवगढ़ है। यह विंध्याचल की पहाड़ियों की ऊंचाई पर स्थित है। अपने स्वर्णिम काल में इस जगह को खुशियों का शहर भी कहा जाता था। मांडू की सैर के लिए जुलाई से मार्च का समय बेहतर होता है। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग तो खासतौर पर मॉनसून में यात्रियों को लुभाने के लिए कई तरीकों से प्रचार करता है। यहां जानें, मांडू से जुड़ी कुछ रोचक बातें...

मांडू में देखने के लिए है बहुत कुछ

मांडू पहाड़ों और चट्टानों का क्षेत्र है। यहां सदियों पुरानी ऐतिहासिक इमारतें, हमें उस जमाने की गाथा सुनाती हैं। इनमें रानी रूपमति का महल, हिंडोला महल, अशरफी महल और जहाज महल खास हैं। यहां आप वर्ष 1472 में स्थापिक की गई भगवान सुपार्श्वनाथ की प्रतिमा और मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं। मांडू एक प्रमुख जैन तीर्थ भी है। यहां नीलकंठ महल भी है।

रूपमती महल

रानी रूपमती बादशाह बाज बहादुर की पत्नी थीं। रानी मां नर्मदा के दर्शन के बाद ही अन्न और जल ग्रहण करती थीं। कहते हैं कि रानी की इस भक्ति का सम्मान करते हुए बाज बहादुर ने रूपमति महल को इस तरह निर्मित कराया, जहां से रानी जब चाहे तब मां नर्मदा के दर्शन कर सकें।

जुलाई से मार्च है मांडू घूमने का बेस्ट टाइम

किलो का शहर

मांडू को दुनिया का सबसे बड़ा किलों का शहर भी कहा जाता है। यहां राजा और रानी का महल इस तरह बना है कि राजा और रानी अपने-अपने महल की प्राचीर पर खड़े होकर एक-दूसरे को देख सकते थे। मांडू शहर चारों तरफ से किले की मजबूत चारदिवारी से घिरा है और बीच में एक से बढ़कर एक नायाब वास्तुकला के नमूने देखने को मिलेंगे।

स्नानागार है बेहद सुंदर

किले और महल की खूबसूरती के साथ ही यहां का स्नानागार इतना सुंदर और भव्य बना है कि आपने शायद ही पहले कभी किसी महल में इतना भव्य स्नानागार और कुंड देखा हो। रानी रूपमती बेहद सुंदर राजपूत राजकुमारी थीं और बहुत अच्छी गायिका भी थीं। उनके गायन और रूप पर मोहित होकर बाज बहादुर ने उनसे विवाह किया और उनके लिए कई इमारतों का निर्माण कराया। उनके प्यार की गर्माहट आप आज भी माडूं में महसूस कर सकते हैं।

पुलिसवाले के कंधे पर बैठा बंदर, फिर भी काम में है तल्लीन, वीडियो हुआ वायरल

इंटरनेट की दुनिया में कई तरह के वीडियो और फोटो वायरल हो जाते हैं, जो सोशल मीडिया में पसंद और नापसंद किए जाते हैं। ट्विटर पर इन दिनों 53 मिनट का एक क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें एक बंदर एक पुलिसकर्मी के कंधे पर बैठा हुआ है और उसके सिर से जुएं निकाल रहा है। वहीं, वह पुलिसकर्मी अपने काम में व्यस्त दिख रहा है। यह वीडियो उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के एक पुलिस स्टेशन का है।

वीडियो में दिख रहा है कि पुलिसकर्मी कुछ फाइलों को खंगाल रहा है और बंदर से कहता है कि अब उतरो, जाना है उसे, चलो उतरो भाई, उतरो भाइया, उतरो। इस वीडियो को अतिरिक्ति पुलिस अधीक्षक राहुल श्रीवास्तव ने अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि पीलीभीत के इन इन्स्पेक्टर साहब का अनुभव ये बताता है कि यदि आप काम करने में व्यवधान नहीं चाहते हैं तो रीठा, शिकाकाई या अच्छा शैम्पू इस्तेमाल करें।

इस वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी उस बंदर को इन्स्पेक्टर के कंधे से उतारने के तरकीबों के बारे में बातें करते हैं। उनमें से एक पुलिकर्मी कहता है कि बंदर को केले दिखा दो, वह वहां से हट जाएगा। दूसरा पुलिसकर्मी कहता है कि यह सारे बाल साफ कर देगा।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। लेटलतीफी कार्यालय में भारी पड़ सकती है। किसी से पैसों के लेनदेन में सावधानी बरतें।

सिंह
नौकरी में पदोन्नति के साथ स्थानांतर के योग बन रहे हैं। नए दायित्व को लेकर खुशी मिल सकती है। कोई पुरानी बीमारी अचानक उभर सकती है।

धनु
कार्यालय में कुछ परेशानी आ सकती है। आपकी लापरवाही से अधिकारी के आक्रोश का शिकार हो सकते हैं। अपने दायित्व को ठीक तरह से निभाएं।

वृष
मौसम की प्रतिकूलता स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है इसलिये सचेत रहें। व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है। धार्मिक आयोजनों में सक्रियता से हिस्सा लेंगे।

कन्या
कहीं से नौकरी को लेकर आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है लेकिन अपने विवेक से सोच समझकर ही निर्णय लें। व्यापार में लाभ के अवसर मिल रहे हैं।

मकर
आपका मनमाना रवैया दूसरों को परेशानी में डाल सकता है। काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है। मौसम का परिवर्तन स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है।

मिथुन
कोई आपको बरगलाने का प्रयास कर सकता है इसलिये सावधान रहें। आर्थिक मसलों को पारदर्शिता से निपटाएं। व्यापार में लाभ की संभावना है।

तुला
मेहमानों के आगमन से घर में खुशी का माहौल रहेगा। कोई अपना ही आपको भ्रमित कर सकता है इसलिये सतर्क रहें। बुजुर्गों के मार्गदर्शन को महत्व दें।

कुंभ
परिवार के लोगों के साथ धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय भी है। बच्चों के शैक्षणिक भविष्य की चिंता परेशान कर सकती है।

कर्क
कोई अनचाहा कार्य आपको परेशानी में डाल सकता है। अपने कार्य के प्रति लापरवाही ठीक नहीं है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेंगे।

वृश्चिक
अविवाहितों को विवाह के मौके मिल सकते हैं। परिवार में खुशी का क्षण उपस्थित हो सकता है। मौसमी बीमारियों से कुछ परेशानी हो सकती है।

मीन
दिन शुभ रहेगा। आपकी सक्रियता और कार्यशैली लोगों के बीच चर्चा का विषय बन सकती है। अभी कहीं यात्रा का कार्यक्रम बनाने से बचें क्योंकि समय अनुकूल नहीं है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगा बैन

भारत में सिखों से सबसे बड़े तीर्थस्थलों में से एक दिल्ली स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से रोक लगा दिया गया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। यह फैसला दिल्ली के 11 और गुरुद्वारा परिसरों में भी लागू होगा। जानकारी के अनुसार, इन सभी गुरुद्वारों के भीतर सभी प्रकार की प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग पूरी तरह से बंद हो जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, गुरुद्वारा परिसर के भीतर प्लास्टिक के ग्लास, प्लेट, चम्मच और पॉलिथीन बैग जैसे सिंगल यूज प्लास्टिक और थमोकॉल की वस्तुओं पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी ने गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के सबसे बड़े सिख धार्मिक स्थल गुरुद्वारा बंगला साहिब में इसे लागू करने का फैसला लिया था। कमिटी के प्रेसिडेंट मनजिंदर सिंह सिरसा ने जानकारी देते हुए बताया था कि गुरुद्वारा परिसर को दिल्ली के सबसे हरित परिसर के रूप में विकसित करने का फैसला किया गया है। गुरुद्वारा परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक की प्लेट, गिलास, चम्मच, थर्मोकॉल कप और प्लास्टिक थालियों को दो

अक्टूबर से बैन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब श्रद्धालुओं को स्टील की थालियों में प्रसाद और पानी स्टील ग्लास में दिया जा रहा है। अगर आप दर्शन के लिए गुरुद्वारा बंगला साहिब जा रहे हैं, तो प्लास्टिक बैन के बारे में जरूर याद रखें।

आप सुबह 05 बजे से लेकर रात के 12 बजे तक गुरुद्वारा बंगला साहिब में दर्शन के लिए आ सकते हैं। दिल्ली पहुंचने के बाद आप बंगला साहिब जा सकते हैं। गुरुद्वारा दिल्ली के कनॉट प्लेस पर स्थित है। यह गोल डाक खाना के पास है। यहां का नजदीकी मेट्रो स्टेशन राजीव चौक मेट्रो स्टेशन या पटेल चौक मेट्रो स्टेशन है। आप शिवाजी स्टेडियम स्टेशन से एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो भी ले सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ये 7 हर्बल टी शरीर को रखती हैं स्वस्थ आप भी करें ट्राई

भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग सुबह नाश्ता करने से पहले टी या चाय पीना पसंद करते हैं। ज्यादातर लोग तो इसको पीए बिना दिन की शुरूआत ही नहीं कर पाते। चाय पीने की आदत पड़ जाए तो लोग इसे पीए बिना रह भी नहीं सकते। इसके बिना कुछ लोगों को सिर दर्द और थकावट महसूस होने लगती है। बहुत से लोगों का यह भी मानना है कि चाय पीने से शरीर में चुस्ती बनी रहती है। चाय भी बहुत प्रकार की होती हैं जैसे ब्लैक टी, ग्रीन टी, व्हाइट टी, लेमन टी, कैमोमाइल आदि। अलग- अलग प्रकार और अलग स्वाद होने के साथ- साथ इनको पीने से कई तरह के फायदे भी होते हैं। आइए जानते हैं अलग-अलग तरह की चाय पीने से मिलने वाले अलग-अलग फायदों को बारे में।

1. ब्लैक टी

रोजाना एक कप काली चाय पीने से शरीर स्वस्थ रहता है। इसका सेवन करने से दिल संबंधित समस्याएं नहीं होती। काली चाय से डायबिटीज होने का खतरा कम होता है। यह दिमाग की कोशिकाओं को ठीक रखता है। इसको पीने से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना कम होने के साथ ही यह मुंह के कैंसर को रोकने में भी मददगार होता है। जिन लोगों का पांचन तंत्र ठीक नहीं रहता उन्हें रोजाना 1 कप काली चाय पीनी चाहिए। इसके साथ ही इसको अपनी डाइट में शामिल करने से प्रोस्टेट, ओवेरियन और फेफड़ों के कैंसर से बचा जा सकता है।

2. ग्रीन टी

मोटापे की समस्या से निजात दिलाने के लिए ग्रीन टी फायदेमंद है। ग्रीन टी पीने से बुढ़ापा जल्दी नहीं आता। रोजाना इसका सेवन करने से कैंसर से लड़ने की शक्ति मिलती है। हड्डियों को मजबूत करने के लिए ग्रीन टी पीनी चाहिए। इस बात का ध्यान रख कि कभी भी खाली पेट इसका सेवन न करें। आप दोपहर के खाने के बाद इसको पी सकते हैं।

3. व्हाइट टी

व्हाइट टी एक प्रकार की हर्बल चाय है यह Camellia sinensis plant से बनती है। इसमें पाएं जाने वाले एंटी एजिंग गुण त्वचा को हमेशा जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसको पीने से चेहरे पर झुर्रियां भी नहीं आती। व्हाइट टी ब्लड सकुर्लेशन को सही करने और हार्ट को हेल्दी रखने में सहायक है। रोजाना केवल 3 से 4 कप सफेद टी ही पीनी चाहिए। इससे ज्यादा पीने से स्वास्थ्य को नुकसान भी हो सकता है।

4. लेमन टी

जिन लोगों के मुंह से बदबू आती है उनको रोजाना इसका सेवन करना चाहिए। इससे मुंह से आने वाली दुर्गंध दूर हो जाएगी। इसके साथ ही गले में खराश होने पर भी इसको पीने से फायदा मिलता है। पेट संबंधित समस्याओं से निजात पाने के लिए दिन में 1 कप लेन टी पीएं। अल्सर की समस्या होने पर लेमन टी का सेवन करने से बचें।

5. स्टार अनीस टी

स्टार अनीस टी कब्ज, एसीडिटी, उल्टी, दस्त, पेट से संबंधित समस्याओं को दूर करता है। दिन में 1 कप स्टार अनीस टी पीने से पांचन तंत्र में सुधार आने से व्यक्ति की सेहत भी बनने लगती है।

6. रोज टी

इसके नाम से ही पता चलता है कि यह गुलाब के पत्तों से बनी है। इसका सेवन करने पेट की परेशानियां दूर होती है और चहरे पर निखार भी आता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन बी3, विटामिन सी, विटामिन डी, विटामिन ई होता है, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

7. कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी पीने से नींद ना आने सी समस्या दूर होने के साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। सर्दी-जुकाम होने पर इसको पीने से फायदा मिलता है। पीरियड के दिनों में इसका सेवन करने से पीरियड में होने वाली पेन से भी राहत मिलती है।

जरूरी बात

अगर आप ने इसका सेवन पहले नहीं किया है और इसको पीने से कोई परेशानी हो रही हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें। जरूरी नहीं कि जो चीज किसी और को सूट करें वो आपके के लिए भी बेहतर हो।

आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है अश्वगंधा, दूर करें कई बीमारियां

आयुर्वेदिक औषधि गुणों से भरपूर अश्वगंधा का इस्तेमाल कई बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता है। अश्वगंधा को तेल, कैप्सूल और पाउडर के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। कई रोगों की आयुर्वेदिक दवाइयां बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली अश्वगंधा का सेवन व्हाइट डिस्चार्ज, हाई ब्लड प्रैशर, कैंसर, आंखो की रोशनी बढ़ाने, टीबी और अस्थमा की समस्या को दूर करता है। आज हम आपको बताएंगे कि आपको अश्वगंधा का सेवन कितनी मात्रा और किस तरह करना चाहिए, जिससे कि आप बीमारियों को दूर कर सकें। तो चलिए जानते है आयुर्वेदिक औषधि गुणों से भरपूर अश्वगंधा के चमत्कारी फायदे और सेवन करने का तरीके के बारे में।

1. कैंसर

रोजाना इसके कैप्सूल या पाउडर का सेवन शरीर में कैंसर सेल्स को मारने का काम करता है। अगर आपको कैंसर है, तो अश्वगंधा का सेवन से आप उसको दूर कर सकते हैं।

2. दिल के रोग

अश्वगंधा कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करके हृदय की माशपेशियों को मजबूत बनाता है। एक शोध के अनुसार इसका सेवन दिल के रोगों और हार्ट अटैक के खतरे को कम करता है।

3. अस्थमा

रोज 1 कैप्सूल या 1 चम्मच अश्वगंधा पाउडर

का सेवन अस्थमा की समस्या को दूर करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को बढ़ा खांसी, कमजोरी, कफ, गठिया जैसे रोगों को भी दूर करने में मददगार होता है।

4. हाई ब्लड प्रेशर

1 गिलास दूध में इसका पाउडर मिलाकर पीने से बीपी और हाई ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम दूर होती है। नियमित रूप से इसका सेवन डायबिटीज को भी दूर करता है।

5. पेट इंफेक्शन

अश्वगंधा, मिश्री और सोंठ को मिलाकर गर्म पीने के साथ खाने से कब्ज, पेट दर्द, इंफेक्शन और अल्सर की समस्या दूर हो जाती है।

6. व्हाइट डिस्चार्ज

1/2 अश्वगंधा पाउडर को गर्म पानी के साथ मिलाकर नियमित सेवन करने से व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या दूर हो जाती है।

7. आंखों की रोशनी

आंखों की रोशनी तेज करने के लिए अश्वगंधा, मुलेठी और आंवला को मिलाकर रोजाना सेवन करें। इससे अलावा रोजाना इसका 1 कैप्सूल खाने से भी आंखों की रोशनी तेज होती है।

8. इम्यून सिस्टम मजबूत

रोजाना इसके 1 काप्सूल का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इसके अलावा टीबी की समस्या होने पर भी इसके कैप्सूल या पाउडर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

स्टीम फेशियल के लिए पानी में मिलाएं ये हर्ब्स, मिलेगा निखार

आजकल लड़कियां डेड स्किन से छुटकारा पाने और खूबसूरती बढ़ाने के लिए स्टीम फेशियल करवाती है। कुछ महिलाएं तो पार्लर जाने की बजाए घर पर ही स्टीम फेशियल करवा पसंद करती है लेकिन कई बार इससे चेहरे पर निखार नहीं आता। आज हम आपको कुछ ऐसे हर्ब्स के बारे में बताने जा रहें है जिससे आपके चेहरे पर पार्लर से भी ज्यादा ग्लो आएगा। इन हर्ब्स को पानी में मिलाकर भाप लेने के बाद फेशियल करने से आपके चेहरे पर दोगुना ग्लो आ जाता है। तो आइए जानते है किस तरह हर्ब्स की मदद से आप चेहरे को ग्लोइंग और खूबसूरत बना सकती हैं।

1. सौंफ का तेल

इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स 30 की उम्र के बाद दिखने वाले प्रभाव को कम कर देता है। स्टीम फेशियल करते समय पानी में इस तेल को मिक्स करें। इसके बाद भाप लें और फेशियल करने के बाद फेस मास्क और फिर मॉइश्चराइजर लगाएं।

2. लैवेंडर ऑयल

एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटीइंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण यह चेहरे के लिए बहुत अच्छा होता है। स्टीम फेशियल में इसका इस्तेमाल स्किन को फ्री-रेडिकल डैमेज से बचाता है।

3. पार्स्ले

पार्स्ले ऑयल नैचुरल एंस्ट्रिंजेन्ट होता है, जिससे एक्ने की समस्या जड़ से खत्म हो जाती है। फ्रेश पार्स्ले को पानी में डालकर उबाल लें और इसके बाद चेहरे को भाप दें।

4. टी-ट्री ऑयल

इसे पानी में डालकर करीब 10-15 मिनट तक भाप लें। इसके बाद फेशियल करके मॉइश्चराइजर अप्लाई करें। हफ्ते में 1 बार इसका इस्तेमाल एक्ने और डार्क स्पोट्र्स की समस्या को खत्म करता है।

5. सैंडलवुड या कैमोमाइल

इसमें मौजूद हाईड्रेटिंग और एंटी-इंफ्लेमेंटरी ड्राय स्किन की समस्याओं को खत्म करती है। सैंडलवुड को कैमेमाइल एसेंशियल ऑयल में मिलाकर पानी में डालें और भाप लें। इससे आपका चेहरा हेल्दी और ग्लोइंग हो जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट मैच

700 करोड़ के स्टेडियम में खेलने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली अगले साल घरेलू सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच पिंक बॉल से खेलेगा जो 700 करोड़ की लागत से बने गुजरात के नए मोटेरा स्टेडियम में होने की संभावना है। इसके अलावा आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भी भारत डे-नाइट टेस्ट मैच खेलेगा। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इसकी जानकारी दी।

पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने कहा, ह्यहां, ऑस्ट्रेलिया में भारत डे-नाइट टेस्ट खेलेगा। जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी।ह्न भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर जाएगी जहां चार टेस्ट, तीन वनडे और तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस डे-नाइट टेस्ट मैच की मेजबानी एडिलेड करेगा।

गांगुली ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ अगली घरेलू सीरीज का दूसरा टेस्ट भी पिंक बॉल टेस्ट होगा। यह मैच अहमदाबाद में निवनिर्मित सरदार पटेल स्टेडियम में होने

की संभावना है। उन्होंने साथ ही कहा कि बोर्ड भविष्य में प्रत्येक सीरीज में एक डे-नाइट टेस्ट के आयोजन का प्रयास करेगा। भारत ने अपना पहला डे-नाइट टेस्ट पिछले साल नवंबर में बांग्लादेश के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेला था और आसान जीत दर्ज की थी।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच से पूर्व कहा था, हम चुनौती के लिए तैयार हैं। फिर चाहे यह गाबा हो या पर्थ... यह हमारे लिए मायने नहीं रखता। यह किसी भी टेस्ट सीरीज का बेहद रोमांचक हिस्सा बन गया है और हम डे/नाइट टेस्ट खेलने के लिए तैयार हैं। इस बीच पता चला है कि भारत आईपीएल के बाद श्रीलंका में तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगा।

इससे पहले भारतीय टीम हमेशा पिंक बॉल टेस्ट खेलने से पीछे हटती रही थी। साल 2018-19 में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (उअ) ने उसे 4 टेस्ट मैच की सीरीज का एक टेस्ट पिंक बॉल से खेलने का ऑफर दिया था लेकिन तब टीम इंडिया ने इस बॉल से अनुभव न होने का कारण बताते हुए अपना हाथ पीछे खींच लिया था। साल 2015 में पहली बार पिंक बॉल टेस्ट की शुरूआत हुई थी। तब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने पहला पिंक बॉल (डे-नाइट) टेस्ट मैच खेला था। इसके बाद पाकिस्तान, वेस्ट इंडीज, साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, श्रीलंका, जिम्बाब्वे आदि देशों ने पिंक बॉल टेस्ट की शुरूआत कर दी थी लेकिन टीम इंडिया ने साल 2019 के अंत से पहले टेस्ट के इस नए फॉर्मेट को स्वीकार नहीं किया था।

सरदार पटेल स्टेडियम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का ड्रीम प्रॉजेक्ट है। मोदी और शाह ने इस प्रॉजेक्ट की नींव तब रखी थी, जब अमित शाह गुजरात क्रिकेट असोसिएशन के अध्यक्ष थे। इस नए स्टेडियम के पुनर्निर्माण में करीब 700 करोड़ रुपये की लागत आई है। 2015 में 2015 में इस स्टेडियम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया ताकि यहां दोबारा से अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस नए स्टेडियम का निर्माण हो सके। पुराने मोटेरा स्टेडियम में 53000 दर्शक एकसाथ क्रिकेट मैच का लुत्फ ले सकते थे। लेकिन अब जब यह स्टेडियम किसी क्रिकेट मैच के लिए दोबारा खोला जाएगा तो यहां 1 लाख 10 हजार दर्शक एक साथ उस मैच का लुत्फ ले पाएंगे।

एक मार्च से फिर बल्ला थामे दिखाई देंगे एमएस धोनी

चेन्नै। वर्ल्ड कप 2019 के सेमीफाइनल मैच में टीम इंडिया की हार के बाद उसके स्टार खिलाड़ी और सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी फिर से क्रिकेट खेलते दिखाई नहीं दिए हैं। 9 जुलाई को मैनचेस्टर में खेले गए उस मैच के बाद धोनी के फैन्स उन्हें फिर से मैदान पर खेलता देखने को बेताब हैं। फैन्स की यह ख्वाइश अब सच होने जा रही है।

टीम इंडिया में महेंद्र सिंह धोनी फिर से नीली जर्सी में दिखेंगे या नहीं इस सवाल का जबाव अभी भी भविष्य के ही पास है। लेकिन जो निश्चत है वह यह कि धोनी एक बार फिर आईपीएल में सीएसके की कमान संभाले नजर आएंगे। आईपीएल ने रविवार को साल 2020 के सत्र के लिए अपना शेड्यूल जारी कर दिया है, जो 29 मार्च से शुरू होगा।

इस टूर्नमेंट के लिए चैन्नै सुपर किंग्स एक मार्च से चेन्नै के चेपॉक स्टेडियम में अपना

प्रैक्टिस सत्र शुरू कर देगी और धोनी भी इसमें हिस्सा लेंगे। सीएसके से जुड़े एक सूत्र ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'पूरी उम्मीद की जा रही है कि धोनी 1 मार्च को यहां पहुंच जाएंगे और अगले दो सप्ताह के लिए शुरू होने जा रहे ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लेंगे। इसके बाद सत्र के बीच में वह 4 से 5 दिन का ब्रेक लेकर अपने घर जाएंगे और आईपीएल की शुरूआत से पहले फिर वापस आकर प्रैक्टिस में भाग लेंगे।'

सूत्र के मुताबिक धोनी को अपनी टीम के साथ इस साल आईपीएल अभियान के लिए टीम के नए टीजर की शूटिंग भी करनी है। इस बीच वह ट्रेनिंग सत्र में दूसरे खिलाड़ियों के साथ प्रैक्टिस में हिस्सा भी लेंगे। धोनी से पहले टीम के कुछ खिलाड़ी पहले से ही कैंप कर अपनी फिटनेस और खेल पर ध्यान दे रहे हैं। वर्ल्ड कप के बाद माही अभी तक न तो किसी इंटरनैशनल मैच में और न ही घरेलू मैच में खेलते दिखाई दिए हैं।

इस बार वह चेन्नै सुपर किंग्स को चौथी बार चैंपियन बनाने के लिए कमर कसेंगे। पिछली बार धोनी की टीम टूर्नमेंट के फाइनल में सिर्फ 1 रन से यह खिताब चूक गई थी और मुंबई इंडियंस चैंपिनय बनी थी। इस बार टूर्नमेंट का पहला मैच मुंबई इंडियंस और चेन्नै सुपर किंग्स के बीच वानखेडे.में ही खेला जाएगा।

भारत की अंडर-17 महिला टीम ने रोमानिया को 3-3 से बराबरी पर रोका

नई दिल्ली। मारियाम्मल बालामुरुगन के दो गोल के दम पर भारतीय अंडर-19 महिला फुटबॉल टीम ने तुर्की के तुर्कलर में मैत्री मैच में रोमानिया को 3-3 से बराबरी पर रोक दिया। भारतीय टीम की ओर से बालामुरुगन (40वें, 57वें मिनट) ने और सुमति कुमारी (63वें मिनट) ने गोल किए। रोमानिया के लिए बोरोडी एडिना (45वें,83वें मिनट) ने दो

गोल और मिरिया रोक्साना (78वें मिनट) ने एक गोल किया। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैत्री मैच बुधवार को खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ कीवी टीम में बोल्ट की वापसी

वेलिंग्टन। चोट के कारण वनडे और टी20 सीरीज से बाहर रहने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में वापसी हुई है। वहीं युवा तेज गेंदबाज काइली जैमीसन को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। बोल्ट को बॉक्सिंग डे के दिन मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले गए टेस्ट मैच में दाएं हाथ में चोट लग गई थी। इसी कारण वह टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच और भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे। उनके आने से टिम साउदी और नील वेग्नर से सज्जित कीवी टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मंजबूती मिलेगी। टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, ह्यबोल्ट की वापसी अच्छी बात है। वह बेहतरीन प्रतिभा के गेंदबाज हैं और उनके पास जो अनुभव है उससे टीम को मजबूती मिलेगी। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से पदार्पण करने वाले जैमीसन को अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है।

लिवरपूल ने मैनचेस्टर सिटी पर ली 25 अंकों की बढ़त, ईपीएल के मैच में नॉर्विक को 1-0 से हराया

लंदन। सादियो माने के एकमात्र गोल की मदद लिवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मैच में नॉर्विक सिटी को 1-0 से हराकर अंक तालिका में अपनी बढ़त मजबूत की। शीर्ष पर काबिज लिवरपूल ने 26 मैच खेले हैं और उसके 76 अंक हो गए हैं, जबकि मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल से एक मैच कम खेला है और 51 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर विराजमान है। मैनेजर जुर्जेन क्लोप की टीम ने सिटी पर 25 अंकों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। लिवरपूल को इस लीग में इस सत्र में एक मैच में भी शिकस्त नहीं मिली है, जबकि एक मैच सिर्फ ड्रॉ खेला है।

लिवरपूल की टीम शानदार फॉर्म में है और टीम 43 मैचों से अजेय हैं। टीम इस मामले में आर्सेनल क्लब का

रिकॉर्ड तोड़ सकती है जो 2003-04 के सत्र में 49 मैचों तक अजेय रहा था। इसके साथ ही क्लोप की टीम 30 साल बाद इस लीग खिताब को जीतने की ओर अग्रसर है।

हालांकि लिवरपूल की टीम इससे भी अच्छे गोल अंतर से जीत हासिल कर सकती थी, लेकिन क्लोप की टीम को तालिका में सबसे नीचे 20वें स्थान वाली नॉर्विक के डिफेंस को भेदने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी और टीम सिर्फ एक ही गोल कर पाई। क्लोप ने दिसंबर के बाद नेबी केइता को अंतिम एकादश में मौका दिया, जबकि माने मैच में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे। पहला हाफ गोलरहित रहा।

दूसरे हाफ में लिवरपूल ने कुछ मौके बनाने की कोशिश की थी, लेकिन वे उन्हें पूरी तरह से भुना नहीं पाए। इस बीच, एलेक्स ओक्सलेड-चैंबरलिन को येलो कार्ड दिखाए जाने के बाद क्लोप ने उनकी जगह माने को मैदान पर भेजा। लेकिन, 78वें मिनट में डेंडरसन के पास पर माने ने गोल करके टीम को उपयोगी बढ़त दिलाई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तापसी को कहा फीमेल आयुष्मान खुराना तो ऐक्ट्रेस ने दिया 'जोरदार' जवाब

हाल ही में 65वें ऐमजॉन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का आयोजन गुवाहाटी में हुआ जहां कई बॉलिवुड के कई बड़े नाम मौजूद थे। जहां अवॉर्ड शो में रणवीर सिंह की 'गली बॉय' छाई रही, वहीं आयुष्मान खुराना की 'आर्टिकल 15' और तापसी पन्नू-भूमि पेडनेकर स्टारर 'सांड की आंख' ने पुरस्कार जीते। तापसी के फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके लिए प्यार बरसाया। कई सिलेब्स ने भी उनकी जीत पर उन्हें बधाइयां दीं। जैसे ही ऐक्ट्रेस ने पोस्ट शेयर किया, तनुज गर्ग ने उन्हें विश करते हुए लिखा, 'पावरहाउस तापसी को बधाई। हमारे बॉलिवुड की फीमेल आयुष्मान खुराना। इस पर रिऐक्ट करते हुए ऐक्ट्रेस ने लिखा, 'अगर मुझे बॉलिवुड की पहली तापसी पन्नू बुलाया जाए तो।' इस पर तनुज ने रिप्लाई किया, 'वह तो हो ही। अतुल्य, विलक्षण, विशिष्ट।' तापसी के फैंस ने उनके जवाब को भी सराहा। जहां एक यूजर ने लिखा, 'बॉलिवुड की पहली सटीक जवाब देने वाली ऐक्ट्रेस' तो एक दूसरे शख्स ने लिखा, 'गजब का रिप्लाई, इंटरनेट पर आग।

शाहिद वाला कैरक्टर प्ले करना चाहते हैं वरुण

वरुण धवन की पिछली फिल्म 'स्ट्रीट डांसर 3डी' को दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला। डायरेक्टर रेमो डिसूजा की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कमाई की। अब वरुण के पास इस साल भी कई इंट्रेस्टिंग प्रॉजेक्ट्स हैं। हाल ही में वह 65वें ऐमजॉन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2020 में नजर आए जहां उन्होंने अपकमिंग प्रॉजेक्ट्स पर बात की। वरुण ने न सिर्फ इवेंट को होस्ट किया बल्कि 'मां तुझे सलाम' ऐक्ट पर पावर पैक्ड परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। बेस्ट ऐक्टर के अवॉर्ड पर वरुण ने कहा कि वह 'गली बॉय' के लिए रणवीर सिंह और 'कबीर सिंह' के लिए शाहिद कपूर के बारे में सोच रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह भी कबीर सिंह जैसा कैरक्टर प्ले करना चाहेंगे तो वरुण ने कहा कि यह अलग कैरक्टर है और मौका मिला तो क्यों नहीं करेंगे। यह स्क्रिप्ट और डायरेक्टर पर निर्भर करता है। फ्यूचर प्रॉजेक्ट्स पर बात करते हुए वरुण ने कहा, 'कुली नं 1' आ रही है। इसके बाद एक फिल्म शशांक खेतान के साथ है। फिर एक फिल्म श्रीराम राघवन के साथ कर रहा हूं। राघवन की फिल्म के बारे में ज्यादा बोल नहीं सकता क्योंकि वह सब्जेक्ट को लेकर काफी सीक्रेट रहते हैं।

बॉलिवुड की नई प्रियंका चोपड़ा बनेंगी दिशा पाटनी?

ऐक्ट्रेस दिशा पाटनी बॉलिवुड में अपने लिए एक अलग मुकाम बनाने में धीरे-धीरे ही सही सफल होती दिख रही हैं। हालिया फिल्म 'मलंग' के कारण दिशा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म से उनके फैंस खुश हैं। अब दिशा पाटनी बॉलिवुड की टॉप ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के नक्शेकदम पर चलना चाहती हैं। पाटनी का मानना है कि वह प्रियंका चोपड़ा से बेहद प्रेरित हैं और वह उन्हीं की तरह बनना चाहती हैं। एक हालिया इंटरव्यू में दिशा पाटनी ने कहा कि वह बॉलिवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा को काफी फॉलो करती हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए प्रियंका एक प्रेरणा की तरह हैं। दिशा कहती हैं, एक छोटे शहर से आकर ना सिर्फ बॉलिवुड बल्कि आज हॉलिवुड में अपना मुकाम बनाना आसान काम नहीं। प्रियंका ने जो किया है, उससे अपने देश का नाम भी ऊंचा हुआ है। प्रियंका से खुद को जोड़ते हुए दिशा कहती हैं कि मैं भी उनकी तरह ही एक छोटे शहर बरेली से आती हूं। अपने करियर के बारे में विस्तार से बात करते हुए दिशा कहती हैं, मैं बॉलिवुड में पहले मजबूत पकड़ बनाना चाहती हूं। पाटनी आगे कहती हैं, 'मैंने यहां सभी बड़े ऐक्टर्स के साथ काम किया है और अच्छे रोल मुझे ऑफर हो रहे हैं। हालांकि दिशा का मानना है कि अभी उन्हें बॉलिवुड में बेहतर मुकाम के लिए काफी काम बाकी है। यह पूछने पर कि प्रियंका की तरह क्या वह भी हॉलिवुड में जाना चाहती हैं? दिशा ने कहा, सच कहिए तो अभी मैंने इस बारे में कुछ सोचा नहीं है। मेरा कोई एजेंट भी नहीं है, जो मुझे हॉलिवुड तक ले जाए। मैं मानती हूं कि हॉलिवुड के लिए ऑडिशन देना तक इतना आसान नहीं है। मैं फिलहाल बॉलिवुड में अच्छा काम कर रही हूं और भगवान से यही प्रार्थना है कि बेहतर काम यहां करती रहूं।